वर्ष : 33 » अंक : 24 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, बुधवार,10 अप्रैल 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

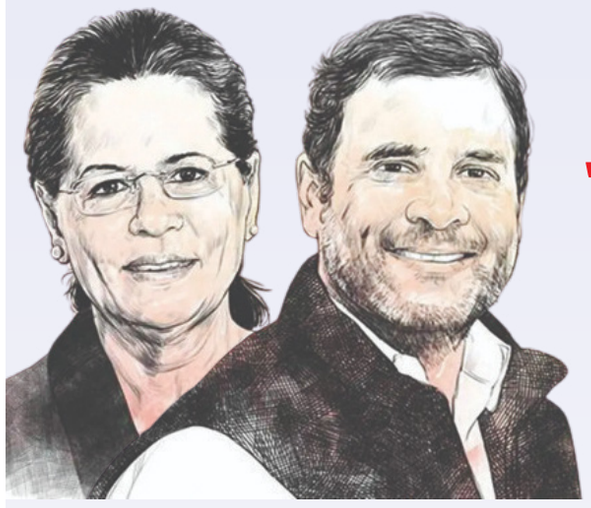

दो बजे
दोपहर
मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

आसान नहीं है सियासी डगरिया

बड़े भाई की भूमिका में उद्धव ठाकरे, कांग्रेस के सामने पार्टी कैडर को मनाने की चुनौती

अमित बृज । मुंबई

महाविकास अघाड़ी में लोकसभा चुनाव-2024 के लिए सीटों का बंटवारा हो गया है। महाराष्ट्र में कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) वाले इस गठबंधन ने मंगलवार को ऐलान किया कि कौन कितनी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगा। सीट शेयरिंग फॉर्मूले के तहत उद्धव ठाकरे की पार्टी 21, शरद पवार का दल 10 और कांग्रेस 17 सीटों पर लड़ेगी।

MVA में हुआ सीटों का बंटवारा

सांगली और भिवंडी सीट पर थी ज्यादा माथापच्ची

महा विकास अघाड़ी के भीतर लंबे समय से चली आ रही कलह आखिरकार सुलझ गई है और सांगली और भिवंडी सीटों के लिए उम्मीदवारों का फैसला कर लिया गया है। शिव सेना (यूबीटी) से ताल्लुक रखने वाले चंद्रहार पाटिल महा विकास अघाड़ी के उम्मीदवार के रूप में सांगली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। उनका मुकाबला भाजपा के मौजूदा सांसद संजयकाका पाटिल से होगा। कांग्रेस ने भिवंडी सीट भी छोड़ दी है, जिस पर शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा चुनाव लड़ेगी। उद्धव ठाकरे के सांगली जाने और चंद्रहार पाटिल की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद कांग्रेस और सेना के बीच टकराव हो गया था। कांग्रेस ने तुरंत इस फैसले का विरोध किया था, यह तर्क देते हुए कि सांगली पार्टी का पारंपरिक गढ़ रहा है और इस निर्वाचन क्षेत्र में उसके दो विधायक हैं, जबकि सेना के पास एक भी नहीं है। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री वसंतदादा पाटिल के पोते विशाल पाटिल के नाम की घोषणा की गई। दूसरी ओर, सेना ने तर्क दिया कि उसने कोल्हापुर और रामटेक लोकसभा सीटों से नाता तोड़ लिया है और इसलिए वह इन दोनों के बदले में कम से कम सांगली सीट हासिल करना चाहती है। सांगली विधायक विश्वजीत कदम के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने कांग्रेस आलाकमान से संपर्क किया था और इसे सेना नेतृत्व के साथ उठाने का आग्रह किया था। हालाँकि, सेना दृढ़ रही। शांति समझौते के तहत विशाल पाटिल को राज्यसभा भेजने का वादा किया गया। सेना ने यह भी चेतावनी दी थी कि अगर सांगली सीट पर बाधाएं पैदा की गईं तो इसका असर पूरे महाराष्ट्र में महसूस किया जाएगा।

कांग्रेस कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी?

कांग्रेस जिन 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है उनमें नंदुरबार, धुले, अकोला, अमरावती, नागपुर, भंडारा-गोंदिया, गढ़चिरौली-चिमूर, चंद्रपुर, नांदेड़, जालना, पुणे, मुंबई उत्तर मध्य, उत्तर मुंबई, सोलापुर, कोल्हापुर, रामटेक और लातूर शामिल हैं।

शरद गुट को कितनी सीटें मिली?

शरद पवार गुट 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगा, जिनमें बारामती, शिरूर, सतारा, डिंडोरी, माधा, रावेर, वर्धा, अहमदनगर दक्षिण और बीड शामिल हैं।

उद्धव की पार्टी को 21 सीटें

शिवसेना ठाकरे गुट 21 सीटों पर चुनाव लड़ेगा, जिनमें दक्षिण मुंबई, दक्षिण मध्य मुंबई, उत्तर पश्चिम मुंबई, मुंबई उत्तर पूर्व, जलगांव, परभणी, नासिक, पालघर, कल्याण, ठाणे, रायगढ़, मावल, धाराशिव, रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग, बुलढाणा, हातकणंगले, छत्रपति संभाजीनगर, शिरडी, सांगली, हिंगोली और यवतमाल-वाशिम शामिल हैं।

MVA के नेताओं ने क्या कहा?

अब किसी के मन में कोई प्रश्न नहीं बचा है। सब कुछ साफ हो गया है। जगहों को लेकर कुछ लोगों की महत्वकांक्षा जरूर होती है और यह गलत नहीं है लेकिन सबको यह सोचना होगा कि किससे लड़ रहे हैं।
– उद्धव ठाकरे

जगह बंटवारे को लेकर हमने सारी मुश्किल खत्म कर दी है। राज्य और केंद्र की सरकार भ्रष्टाचार की सरकार है। सबने देखा है कि किस तरह से सोनिया गांधी को ED दफ्तर में बैठाया गया। इसका बदला जनता लेगी।
– नाना पटोले, अध्यक्ष (महाराष्ट्र कांग्रेस)

उद्धव और शरद पवार को मनाने में अपने रूठे

भले ही महाविकास अघाडी ने सीटों के बंटवारे का ऐलान कर दिया हो, लेकिन इससे कांग्रेस पार्टी के अंदर मची कलह शांत होने की बजाय बढ़ गई है। महाविकास अघाडी की मुंबई में हुई संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद तीनों दलों के शीर्ष नेताओं की बैठक हुई। बैठक के बाद कांग्रेस नेता बिना कुछ बोले चले गए। वहीं, कांग्रेस मुंबई अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने भी सीट आवंटन पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। वह प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी नहीं गईं। मुंबई में कांग्रेस के नेता खुलकर नाराजगी जता रहे है। कांग्रेस नेता वर्षा गायकवाड़ का कहना है कि हमें वो सीटें नहीं मिली हैं जहां से हम जीत सकते थे। हमें ऐसी सीटें दी गई हैं जहां हमारी कोई ताकत नहीं है। राज्य के कांग्रेस नेताओं ने वर्षा गायकवाड़ के जरिये दिल्ली तक शिकायत की है। जानकारी सामने आ रही है कि वर्षा गायकवाड़ ने केसी वेणुगोपाल को फोन कर शिकायत की है। उनका कहना है कि मुंबई में ज्यादा लोकसभा सीटों को पाने के लिए कोई स्टैंड नहीं लिया गया। इसी बीच कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रवक्ता राजू वाघमारे ने मंगलवार को पार्टी छोड़ दी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना में शामिल हो गए।

» पेज 3 भी देखें

हिंगोली ने बढ़ाई महायुति की टेंशन

हिंगोली लोकसभा क्षेत्र इस साल महायुति की सुगबुगाहट के कारण सुर्खियों में रहा है। बीजेपी द्वारा घोषित हेमंत पाटिल की उम्मीदवारी के भारी विरोध के कारण शिवसेना ने सही समय पर बाबूराव कदम को उम्मीदवार बनाया। हालाँकि, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष शिवाजीराव जाधव ने ग्रैंड अलायंस के खिलाफ बगावत कर दी और अपनी स्वतंत्र उम्मीदवारी बरकरार रखते हुए चुनाव मैदान में कूद पड़े हैं। इससे महागठबंधन में दरार बढ़ने की आशंका है। महायुति के शिवसेना उम्मीदवार बाबूराव कदम के लिए सिरदर्द बना हुआ है।

न्यूज़ ब्रीफ

हेमा मालिनी पर टिप्पणी मामला : सुरजेवाला को EC का नोटिस

नई दिल्ली। चुनाव आयोग (EC) ने मंगलवार को कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला को नोटिस जारी किया। EC ने सुरजेवाला से 11 अप्रैल को शाम 5 बजे तक जवाब देने को कहा है। सुरजेवाला ने हाल ही में भाजपा नेता और मथुरा से कैंडिडेट हेमा मालिनी पर टिप्पणी की थी। EC ने कांग्रेस अध्यक्ष से भी एक्शन लेने की मांग की है। साथ ही ये भी कहा कि पार्टी नेता सभाओं या सार्वजनिक रूप से बयान देते समय महिलाओं को लेकर असभ्य टिप्पणी न करें। चुनाव प्रचार के दौरान किसी को भी महिलाओं को लेकर अपमानजनक भाषा इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं है।

'लव जिहाद' के आरोप में पुणे विश्वविद्यालय के छात्र की पिटाई

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे शहर में एक विश्वविद्यालय के 19 वर्षीय मुस्लिम छात्र को पांच अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर पीटा है, जिन्होंने उस पर ₹लव जिहाद₹ में शामिल होने का आरोप लगाया है। इस घटना की जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी। चतुश्रृंगी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार दोपहर को हुई जब छात्र सरकारी सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के परिसर में दो छात्राओं के साथ जा रहा था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और दोषियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने घटना की जांच के लिए एक समिति गठित की है।

मंगलवार को नहीं हुआ चांद का दीदार, गुरुवार को मनाई जाएगी ईद

मुंबई। ईद का चांद मंगलवार को नहीं दिखाई दिया। ईद उल फित्र अब बृहस्पतिवार को मनाई जाएगी। मरकजी चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने मंगलवार को इस्लामिक माह शवाल का चांद न होने का एलान किया। उन्होंने कहा कि ईद का त्योहार अब बृहस्पतिवार को मनाया जाएगा। मरकजी शिया चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने भी शवाल (ईद) का चांद न होने का एलान किया। मौलाना ने कहा कि 11 अप्रैल को शवाल की पहली तारीख होगी। इसके अलावा इदारा शरइया फरंगी महल के अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती अबुल इरफान मियां फरंगी महली ने भी ईद का चांद न होने का एलान किया है।

साध्वी प्रज्ञा को 20 अप्रैल को पेश होने का निर्देश

मालेगांव बम विस्फोट : विशेष एनआईए अदालत के निर्देश

धीरज सिंह । मुंबई

विशेष एनआईए अदालत ने 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले की मुख्य आरोपी भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को 20 अप्रैल को पेश होने का निर्देश दिया। अदालत इस मामले चल रहे मुकदमे में आरोपियों के बयान दर्ज कर रहा है। अदालत ने उन्हें इस बार पेश होने से छूट देते हुए कहा कि ठाकुर को निश्चित तारीख पर हर हाल में पेश होना होगा। विशेष न्यायाधीश ए.के.लाहोटी के समक्ष राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की रिपोर्ट पेश की, जिसमें कहा गया कि उनके डॉक्टर ने उन्हें आराम करने की सलाह दी थी।

20 अप्रैल को उपस्थित रहना होगा

अदालत ने कहा कि इस रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए यह कहा जा सकता है कि आरोपी बीमार है और डॉक्टर ने उसे आराम करने की सलाह दी है। यदि एनआईए को आरोपी के स्वास्थ्य से संबंधित कोई और जानकारी मिलती है, तो उन्हें तुरंत अदालत को सूचित करना चाहिए। आरोपी ठाकुर को अपने बयान के लिए 20 अप्रैल को उपस्थित रहना होगा।

कोर्ट ने जताई थी नाराजगी

पिछले दिनों अदालत ने ठाकुर के अनुपस्थित रहने पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि सीआरपीसी की धारा 313 के तहत बयान दर्ज करने के लिए आरोपी को उपस्थिति आवश्यक है। उनकी अनुपस्थिति के कारण अदालत की कार्यवाही में बाधा आ रही है। एनआईए ने ठाकुर की मेडिकल रिपोर्ट अदालत को सौंपी। 29 सितंबर 2008 को मालेगांव विस्फोट छह लोगों की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे।

कोर्ट ने पुलिस को लगाई फटकार

धोखाधड़ी के मामले में आरोपी के परिवार से रिश्वत मांगने का आरोप

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने धोखाधड़ी के मामले में आरोपी भैरव राम सारस्वत के परिवार से रिश्वत मांगने के मामले में मुंबई पुलिस को फटकार लगाई। अदालत ने परिमंडल-2 के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) को आरोपी सारस्वत के मोबाइल से पुलिस द्वारा उसके परिवार से रिश्वत की कथित मांग की जांच करने के लिए कॉल रिकॉर्ड और व्हाट्सएप कॉल के संदेश 3 मई तक पेश करने का निर्देश दिया।

आरोपी को अंतरिम जमानत

याचिकाकर्ता ने दावा किया कि पुलिस वालों के पास यह बताने के लिए कोई पहचान पत्र नहीं है कि वे पुलिस अधिकारी हैं। पुलिस ने नोटिस पर उनके अंगूठे का निशान जबरन लिया गया था। याचिकाकर्ता का मोबाइल जांच अधिकारी द्वारा लगभग 10 दिनों तक इस्तेमाल किया गया था। अधिकारी याचिकाकर्ता के पिता और भाई से बात कर रहे थे। अदालत ने प्रथम दृष्टया कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन मानते हुए सारस्वत को 50 हजार रुपए की नकद जमानत पर अंतरिम जमानत दे दी।

डीसीपी को आरोपी के मोबाइल के कॉल रिकॉर्ड सौंपने के निर्देश

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ के समक्ष भैरव राम सारस्वत की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान खंडपीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया पुलिस अधिकारियों पर आरोपी के परिवार से रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप हैं। इसकी जांच की जानी चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस ने कानून के प्रावधानों का पालन नहीं किया है। याचिकाकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों में दम है। पुलिस पर हिरासत में यातना देने का भी आरोप है। पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आरोप गंभीर हैं और उन्हें इसका जवाब देने की जरूरत है। याचिका में दावा किया गया कि एल.टी.मार्ग पुलिस द्वारा उनकी गिरफ्तारी अवैध थी, क्योंकि पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 41(ए) का पालन नहीं किया। इन मामलों में गिरफ्तारी से पहले नोटिस देना होता है। एल.टी.मार्ग पुलिस स्टेशन में 11 मार्च को एक धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था। इसमें आरोपी भैरव राम सारस्वत का नाम नहीं था। इसके बावजूद 19 मार्च को मुंबई पुलिस की एक टीम सादी वर्दी में अहमदाबाद गई और वहां से उसे उसकी दुकान से उठा कर मुंबई लेकर आई। जबकि उसे सीआरपीसी की धारा 57 के तहत आवश्यक ट्रांजिट रिमांड पर लेना चाहिए था।

राज ठाकरे ने बिना शर्त पीएम मोदी का किया समर्थन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई के शिवाजी पार्क की रैली में एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में बिना शर्त पीएम नरेंद्र मोदी को समर्थन देंगे। राज ठाकरे ने कहा कि हमें राज्यसभा नहीं चाहिए और न ही किसी तरह का समझौता चाहिए। हम बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी गठबंधन का समर्थन करेंगे क्योंकि हमारा समर्थन सिर्फ पीएम मोदी के लिए है।

अमित शाह से मुलाकात पर क्या बोले? :

राज ठाकरे ने कहा, 'मुझे कई दिनों से महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस बोल रहे थे कि हमें साथ आना है। लेकिन कैसे आना है ये समझ नहीं आ रहा था। इसलिए मैंने अमित शाह से मिलने का समय मांगा।' इसके साथ ही उन्होंने कहा, '2014 में मैं महाराष्ट्र का पहला नेता हूं जिसने कहा था कि नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनना चाहिए। मैं अगर किसी से प्यार करता हूं तो पूरे मन से करता हूं। 2014 में मैंने नरेंद्र मोदी को समर्थन दिया। 2019 में मैने विरोध किया था क्योंकि में उनकी भूमिका से सहमत नही था।'

'मैं किसी के नीचे काम नहीं करूंगा'

इसके साथ ही उन्होंने साफ किया कि वो किसी के नीचे काम नहीं करेंगे। उनका ये बयान अहम है क्योंकि बीजेपी से उनके गठबंधन की चर्चा ने बीते दिनों महाराष्ट्र में सुर्खियां बटोरी थीं। उन्होंने कहा, 'खबर आई कि मैं अब एकनाथ शिंदे की शिवसेना का प्रमुख बनूंगा। मुझे प्रमुख बनना होता तो कब का प्रमुख बन जाता था। मैं सिर्फ अपनी पार्टी का ही प्रमुख रहूंगा। अगर चुनाव लड़ूगा तो बताकर लड़ूंगा।'

उद्धव ठाकरे पर साधा निशाना

एमएनएस प्रमुख ने अपने संबोधन में उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'उद्धव ठाकरे और संजय राउत जिस तरह की टिका टिप्पणी करते हैं, उस तरह की भाषा मेरी नहीं है। क्योकी मुझे सत्ता नहीं चाहिए थी। लेकिन उद्धव ठाकरे ने स्वार्थ के लिए सबकुछ किया। उनको सत्ता से बाहर निकाल दिया।'

मसाला बॉन्ड मामले में केरल के पूर्व मंत्री आईजैक को राहत

कोच्चि। केरल के पूर्व वित्त मंत्री टी एम थॉमस आईजैक को मसाला बांड मामले में केरल उच्च न्यायालय से राहत मिली है। इस मामले में अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय को चुनाव अवधि के दौरान आईजैक को तलब न करने का निर्देश दिया है। आईजैक लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं और उन्होंने इस मामले में ईडी की कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच करते हुए कोर्ट ने कहा कि आईजैक को कुछ विषयों का निपटारा करने की जरूरत पड़ेगी।

पूर्वानुमान महाराष्ट्र, राजस्थान समेत 23 राज्यों में अच्छी बारिश होगी

इस साल सामान्य रहेगा मानसून, बिहार सहित 4 राज्यों में कम बारिश

एजेंसी । नई दिल्ली

वेदर एजेंसी स्काईमेट ने मंगलवार को बताया कि इस बार मानसून सामान्य रहेगा। यानी जून से सितंबर तक 4 महीने में औसत या सामान्य बारिश होगी। मौसम विभाग (IMD) 96 से 104 फीसदी के बीच बारिश को औसत या सामान्य मानता है। यह फसलों के लिए अच्छा संकेत है। मानसून आमतौर पर 1 जून के आसपास केरल के रास्ते आता है। 4 महीने की बरसात के बाद यानी सितंबर के अंत में राजस्थान के रास्ते मानसून की वापसी होती है। हालांकि IMD ने इस साल के लिए मानसून की भविष्यवाणी अब तक जारी नहीं की है। एजेंसी मई में इसे जारी कर सकती है।

23 राज्यों में बहुत अच्छी बारिश का अनुमान

राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, गोवा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, दादर एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, लक्षद्वीप।

4 राज्यों में कम बारिश संभव

बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में जुलाई और अगस्त के दौरान। इसके बाद सामान्य बारिश होगी।

8 राज्यों में सामान्य से कम बारिश की संभावना

असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम में जून और जुलाई के दौरान। इसके बाद सामान्य बारिश।

मानसून सीजन में एवरेज बारिश 868.6 मिलीमीटर :

रिपोर्ट के मुताबिक, जून से सितंबर तक चलने वाले 4 महीने के मानसून सीजन के लिए लॉन्ग पीरियड एवरेज (LPA) 868.6 मिलीमीटर (86.86CM) है। यानी मानसून सीजन में कुल इतनी बारिश होनी चाहिए। स्काईमेट के MD जतिन सिंह ने कहा कि मानसून की शुरुआत में अल नीनो की वजह से बारिश कम हो सकती है। धीरे-धीरे यह सामान्य होगा। केंद्र सरकार के अर्थ साइंस मंत्रालय ने देश में सामान्य बारिश के लॉन्ग पीरियड एवरेज (LPA) को साल 2022 में अपडेट किया। इससे अनुसार 87 सेंटीमीटर बारिश को सामान्य माना जाता है। 2018 में यह 88 सेंटीमीटर था। LPA में चार फीसदी घट-बढ़ को सामान्य माना जाता है।

बाबा रामदेव-आचार्य बालकृष्ण ने फिर मांगी माफी

एजेंसी । नई दिल्ली

योग गुरु रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के एमडी आचार्य बालकृष्ण ने अपने उत्पादों को लेकर बड़े-बड़े दावे करने वाली कंपनी द्वारा जारी विज्ञापनों पर सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। अदालत में दायर दो अलग-अलग हलफनामों में, रामदेव और बालकृष्ण ने शीर्ष अदालत के पिछले साल 21 नवंबर के आदेश में दर्ज बयान के उल्लंघन के लिए भी माफी मांगी है।

गौरतलब है कि 21 नवंबर, 2023 के आदेश में शीर्ष अदालत ने कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने उसे आश्वासन दिया था कि अब से किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होगा, विशेष रूप से पतंजलि द्वारा निर्मित किए गए उत्पादों के विज्ञापन या ब्रांडिंग से संबंधित और इसके अलावा, औषधीय को लेकर दावा करने वाला या चिकित्सा की किसी भी प्रणाली के खिलाफ कोई भी बयान किसी भी रूप में मीडिया में जारी नहीं किया जाएगा।

मौत की एसटीपी

दोपहर संवाददाता । वसई

विरार पश्चिम में मंगलवार को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) में दम घुटने से चार मजदूर की मौत हो गई। वसई विरार शहर महानगर पालिका के दमकल विभाग ने शवों को बाहर निकाला। इस दुर्घटना की सूचना मिलते ही मनपा आयुक्त और पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंच गए। विरार के सरकारी अस्पताल में शवों का पोस्टमार्टम कर शव उनके परिजनों को सौंप दिया गया। अर्नाला पुलिस ने इस मामले में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मृतक की पहचान शुभम पारकर (28), अमोल घाटाल (27), निखिल घाटाल (24) और सागर तेंदुलकर (29) के रूप में हुई है। इस घटना से परिवार वालों के घर में मातम छाया हुआ है।

दम घुटने से मौत

पुलिस ने बताया कि ग्लोबल सिटी इलाके में पॉलिकॉम नामक एक निजी कंपनी का एसटीपी प्लांट है। सुबह करीब 11:45 बजे एसटीपी का चोकअप निकालने एक कर्मचारी प्लांट के भीतर गया था। लेकिन वह काफी समय तक वापस नहीं आया। उसका पता करने दूसरा कर्मचारी गया और फिर एक-एक कर तीन लोग गए और कोई भी लौटकर नहीं आया। इसके बाद वहां काम कर रहे लोगों ने पुलिस और मनपा दमकल विभाग को घटना की सूचना दी। दमकल विभाग जब अंदर पहुंचा तब तक चारों कर्मचारियों की दम घुटने से मौत हो चुकी थी।

ठेकेदार के खिलाफ शिकायत दर्ज

अर्नाला पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय पाटील ने बताया कि प्राथमिक जांच में पॉलिकॉम कंपनी की लापरवाही सामने आई है। ठेकेदार ने कर्मचारियों को कोई सुरक्षा उपकरण नहीं दिया था। यह 142 इमारतों का निजी प्लांट था। पुलिस ने ठेकेदार के खिलाफ धारा 304 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू की है।

एसटीपी में दम घुटने से चार मजदूरों की मौत

दो दिन पहले बेटी का हुआ था जन्म

निखिल घाटाल के परिवार ने बताया कि दो दिन पहले ही उसकी पत्नी ने एक बेटी को जन्म दिया है। प्लांट के सहकर्मियों को बेटी के नामकरण का निमंत्रण और मिठाई लेकर निखिल प्लांट पर गया था। लेकिन बेटी का चेहरा देखने से पहले ही वह दुनिया छोड़कर चला गया।

ठाणे पुलिस कमिश्नर की मौजूदगी में 'रोजा इफ्तार' का आयोजन

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

मुस्लिम समुदाय के पवित्र रमजान माह के अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों की ओर से शहर के विभिन्न स्थानों पर रमजान के अंतिम चरण में रोजा इफ्तार कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उसी के अनुरूप सामाजिक राष्ट्रीय एकता एवं सांप्रदायिक सौहार्द के तहत भिवंडी शहर में पुलिस उपायुक्त परिमंडल-2 की ओर से हर वर्ष की तरह मुस्लिम समुदाय के लिए ₹रोजा इफ्तार₹ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर ठाणे पुलिस कमिश्नर आशुतोष डुंबरे और शहर के गणमान्य नागरिकों के साथ बड़ी संख्या में मुस्लिम भाई और शांति समिति के सदस्य मौजूद थे।

धार्मिक उत्सव और त्योहार सामाजिक एकता और समृद्धि संदेश देते हैं : आशुतोष डुंबरे

गौरतलब हो कि मुस्लिम समुदाय के लिए रमज़ान का पवित्र महीना शुरू हो चुका है और अपने अंतिम चरण में है। इसलिए राष्ट्रीय एकता और सामाजिक प्रतिबद्धता भाईचारे की भूमिका में भिवंडी पुलिस उपायुक्त कार्यालय की ओर से रोजा इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे ने की, कार्यक्रम में ठाणे के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त देशमुख, भिवंडी के पुलिस उपायुक्त श्रीकांत पोरपकरी, एसीपी दीपक देशमुख, सांगले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संतोष अवहाड, महादेव कुंभार, भरत कामत, मुस्लिम धर्म के धर्मगुरु मुफ्ती हुजैफा कासमी सहित सभी पुलिस स्टेशन के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में महिलाएं एवं नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने संदेश में ठाणे पुलिस कमिश्नर डुंबरे ने कहा कि धार्मिक त्यौहार और उत्सव सामाजिक एकता और समृद्धि का संदेश देते हैं।इसलिए, नागरिकों के बीच घनिष्ठ पारिवारिक संबंध हैं। यदि सभी लोग जीवन में अनुशासन का पालन करें तो आपके जीवन में कोई संकट उत्पन्न नहीं होगा। ठाणे पुलिस कमिश्नर आशुतोष डुंबरे ने कार्यक्रम में सुख-समृद्धि आने की बात कही और सभी को शुभकामनाएं दीं। पुलिस आयुक्त डुम्बरे ने नागरिकों से पुलिस के साथ सहयोग करने और अच्छी कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की।

ढोल ताशा के साथ निकाला गया जुलूस

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

चैत्र पड़वा के शुभ अवसर पर भिवंडी शहर में हर जगह हर्षोल्लास के साथ गुढ़ी पड़वा मनाया गया। तिलक चौक मित्र मंडल के माध्यम से शहर में एक भव्य जुलूस निकाला गया। जो गणपति मंदिर, ब्राह्मण अली, वाणी अली, कासार आली मार्ग से निकली इस शोभा यात्रा में कई सामाजिक वा धार्मिक संगठनों सहित शहर के गणमान्य लोगों के अलावा कई नागरिक, युवा-बूढ़े, महिलाएं और युवतियां उत्सवी माहौल में पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुईं। राज्य मंत्री कपिल पाटिल विधायक महेश चौघुले, सुरेश बाल्या मामा म्हात्रे, शिवसेना शहर प्रमुख सुभाष माने, जिला भाजपा अध्यक्ष एड हर्षल पाटिल, मोहन वल्लाल, सुहास बोंडे , पूर्व नगर सेवक पप्पू राका, पूर्व नगर सेवक सुमित पाटिल, पूर्वनगर सेविका कल्पना शर्मा, पूर्व नगरसेवक प्रशांत लाड, एड नाना वगल, वैशाली मिस्त्री, मनोज गगे, महेश जगताप सहित शहर की जानी मानी हस्तियां इस दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर महिलाओं ने उत्साह बढ़ाने के लिए पारंपरिक खेल ढोला ताशा, लाठी काठी का दमदार प्रदर्शन किया।

आग लगने से 20 गोदाम जलकर खाक

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी शहर व ग्रामीण क्षेत्र में बने गोदाम में आग लगने का सिलसिला जारी है। मुंबई नासिक हाईवे पर भिवंडी तालुका के वाहुली गांव की सीमा में पतरा के बने गोदामों में रात करीब एक बजे आग लग गई । यहां के गोदाम में बड़ी मात्रा में भारी सामग्री के भंडारण के लिए उपयोग किए जाने वाले प्लास्टिक व लकड़ी और फाइबर के प्लेट्स रखे गए थे, जबकि कुछ गोदामों में स्क्रैप पेपर और मंडप सामग्री के बंडल जमा किए गए थे। आग धीरे-धीरे फैलने लगी और इस आग में करीब 20 गोदाम जलकर खाक हो गए। पडघा पुलिस द्वारा आग लगने की सूचना दिए जाने के बाद भिवंडी और कल्याण फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन ग्रामीण इलाकों में आग लगने के कारण आग बुझाने के लिए पानी की कमी होने लगी, इसलिए रात से लगी यह आग सुबह आठ बजे तक आग सुलगती रही। इस आग के लगने का कारण स्पष्ट नहीं है। हालांकि इस आग में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन गोदाम मालिकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। आग बुझाने के लिए दमकल कर्मियों को पांच घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी, तब जाकर आग पर नियंत्रण किया जा सका।

सात घरों पर चला बुलडोजर

जांच में जुटी पुलिस

दोपहर संवाददाता । कल्याण

डोंबिवली में रात के अंधेरे में सात परिवारों को घर से निकाल कर उनके घरों पर बुलडोजर चलाकर नष्ट कर देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में डोंबिवली की रामनगर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू की है। इसके पीछे बिल्डर लॉबी का हाथ बताया जा रहा है। हथियारों के साथ आए लोगों ने यह कार्रवाई की और अपने आप को मनपा का कर्मचारी बताया।

सात घर को बुलडोजर ने रौंद दिया

डोंबिवली के टाटा पावर लेन के लोग अपने घरों में सोए हुए थे तभी रात लगभग ढाई बजे अचानक उन्हें तेज चिल्लाने की आवाज आई तो सभी अपने अपने घरों से बाहर निकले और देखा कि धारदार हथियार के साथ कुछ युवक वहां पर खड़े थे और गालीगलौज करते हुए लोगों को घरों से बाहर निकाल रहे थे। उनके साथ एक बुलडोजर भी था। सात परिवारों को उन्होंने घरों से बाहर निकाल कर उनके घरों पर बुलडोजर चलाकर पूरी तरह से नष्ट कर दिया और कुछ लोगों के साथ मारपीट भी की। इसी समय किसी ने रामनगर पुलिस को भी इसकी सूचना दी और पुलिस मौके पर पहुंची।

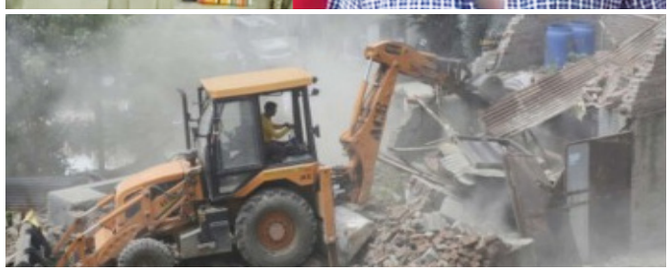

झूठ बोलकर आधी रात में तोड़ दिया घर

एक अन्य पीड़ित ने बताया कि पहले आकर उन्होंने बोला कि हमें कोर्ट का आर्डर है और हम मनपा के कर्मचारी हैं, रात में घर मे सोए हुए लोगों को उठाया और बोला कि हमें घर तोडना है। जब हमें यह पता चला कि कोई भी शासकीय लोग नहीं है तो पुलिस को सूचित किया गया। इस मामले में कोर्ट में वाद शुरू है फिर भी ऐसी कार्रवाई की गई है। पुलिस व मनपा प्रशासन से अब हम न्याय की अपेक्षा कर रहे हैं।

नष्ट हुई मेहनत की कमाई

सात परिवारों में से एक परिवार के सदस्य नंदू माने ने बताया कि रात के समय सभी हथियारबंद लोग आए और हमें जबरदस्ती घरों से बाहर निकाला उन्होंने बताया कि वह महानगर पालिका के कर्मचारी हैं। नंदू माने ने यह भी बताया कि शिवसेना शिंदे गुट के पूर्व नगरसेवक के कहने पर शार्दूल पाटिल नामक गुंडे द्वारा यह काम किया गया है। आए हुए लोगों से परिवार ने यह भी कहा कि कोर्ट के माध्यम से और हमारे वकील बात आपसे करेंगे, लेकिन फिर भी वह नहीं माने, कुछ लोगों के साथ मारपीट भी की गई है। उन्होंने कहा, अब हमारे सिर पर छत नहीं है ऐसे में हम कहां जाएं, मेहनत से कमाई हुई चीजें पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं और हमें न्याय चाहिए।

पुलिस झाड़ रही है पल्ला

रामनगर पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गणेश जवादवाड़ से बातचीत करने पर उन्होंने बताया कि अभी मामला दर्ज हुआ है और इसकी जांच शुरू की गई है। अब तक यह पता नहीं चल सका है कि इस वारदात को किसके द्वारा अंजाम दिया गया है।

मुंबई को कोलकाता से जोड़ने के लिए चार एक्सप्रेसवे जल्द!

मुंबई। दुनिया भर में दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क होने के नाते, भारत ने हाल के वर्षों में अपनी सड़क संपर्क में भारी बढ़ोतरी दर्ज की है। जैसे-जैसे देश में ज्यादा से ज्यादा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट (बुनियादी ढांचा परियोजनाएं) शुरू की जा रही हैं। वैसे ही नेशनल हाईवे और हाई-स्पीड आर्थिक गलियारों के जरिए पूरे भारत में सड़क नेटवर्क का विस्तार करने के मकसद से कई सड़क परियोजनाएं भी निर्धारित हैं। एक प्रमुख विकास में, मुंबई और कोलकाता के बीच एक एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी जल्द ही हकीकत बन सकती है। एक मीडिया रिपोर्ट से पता चलता है कि 2028 तक, मुंबई और कोलकाता रास्ते में विभिन्न शहरों को जोड़ने वाले आगामी एक्सप्रेसवे की एक सीरीज के जरिए जुड़े होंगे। इस कनेक्टिविटी को सुगम बनाने वाले चार एक्सप्रेसवे में मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे, नागपुर-भंडारा-गोंदिया एक्सप्रेसवे, रायपुर-धनबाद आर्थिक कॉरिडोर और वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे शामिल हैं। हालांकि इन पर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। ये अटकलें पूर्वी महाराष्ट्र एक्सप्रेसवे के नाम से भी जानी जाने वाली नागपुर-भंडारा-गोंदिया एक्सप्रेसवे के प्रस्ताव के बाद आई हैं। 127 किलोमीटर में फैला, पूर्वी महाराष्ट्र एक्सप्रेसवे मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे का विस्तार करेगा। जो महाराष्ट्र में नागपुर, भंडारा और गोंदिया जिलों को जोड़ेगा। नए एक्सप्रेसवे से नागपुर और गोंदिया के बीच यात्रा के समय को मौजूदा चार से पांच घंटे की तुलना में लगभग दो घंटे कम होने की उम्मीद है। अगर प्रस्तावित परियोजना को मंजूरी दे दी जाती है, तो मुंबई और कोलकाता के बीच यात्रा करना वर्तमान की तुलना में काफी आसान हो जाएगा, जिसमें समय की भी बचत होगी।

ठाणे लोकसभा सीट पर फडणवीस ने पेश किया अपना दावा

दोपहर संवाददाता । ठाणे

एनडीए गठबंधन के तहत ठाणे जिले में कल्याण लोकसभा सीट पर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के प्रत्याशी के तौर पर श्रीकांत शिंदे का नाम घोषित होने के बाद मंगलवार ठाणे में भारतीय जनता पार्टी के नए कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर राज्य में बीजेपी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि ठाणे लोकसभा सीट 1990 तक बीजेपी के पास रही है, इसलिए अभी भी इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी की मजबूत दावेदारी बनी हुई है। विदित रहे कि ठाणे कल्याण लोकसभा सीट पूर्व में बीजेपी के पास थी, लेकिन ठाणे शिवसेना प्रमुख स्वर्गीय आनंद दिघे ने अपने बाहुबल से बीजेपी से छीन ली थी। इसके बाद ठाणे सीट के विभाजन के बाद भी ठाणे और कल्याण डोम्बिवली सीट फिर शिवसेना के खाते में ही रह गई थी। उल्लेखनीय है कि ठाणे में भारतीय जनता पार्टी के नए कार्यालय का शुभारंभ करने के लिए देवेंद्र फडणवीस विशेष रूप से ठाणे में आये थे। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटील, राज्य के मंत्री रविंद्र चव्हाण, विधायक संजय केलकर, विधायक निरंजन डावखरे, राजस्थान बीजेपी प्रभारी और पूर्व राजयसभा सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे और ठाणे बीजेपी अध्यक्ष संजय बाघुले भी उपस्थित थे। बताया जाता है कि ठाणे में बीजेपी ने अपने भव्य कार्यालय का उद्घाटन कर महाराष्ट्र एनडीए में बीजेपी ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है।

मेट्रो शूज़ कर्मचारी ने की 17 लाख की धोखाधड़ी, एफआईआर दर्ज

दोपहर संवाददाता । मुंबई

सहार पुलिस ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मेट्रो शूज़ शोरूम के एक कर्मचारी के खिलाफ बिना रसीद जारी किए ग्राहकों को जूते बेचने और कंपनी को 17 लाख रुपये का चूना लगाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। कंपनी के एक कार्यकारी की शिकायत के अनुसार, 24 वर्षीय आउटलेट मैनेजर जाकिर जुबेर शेख को 2021 से एक साल के लिए नियुक्त किया गया था। कार्यकारी ने कहा कि ग्राहक अक्सर रसीदों का अनुरोध नहीं करते हैं, खासकर जब उड़ान समय की कमी के कारण नकद भुगतान करते हैं। स्टॉक मूल्यांकन टीम पास मुद्दे के कारण स्टोर के शुरुआती महीनों के दौरान ऑडिट करने में असमर्थ थी, जिसके परिणामस्वरूप बेचे गए जूते के स्टॉक और हिसाब-किताब के बीच 17 लाख रुपये की अनियमितता हुई। पूछताछ करने पर, शेख इस अंतर के लिए कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण देने में विफल रहे। बाद में, यह पता चला कि शेख ने एक गैर-मौजूद बिक्री कार्यकारी मोहम्मद वारिस शेख को नियुक्त किया था और फर्जी बिक्री की थी। आगे की जांच से पता चला कि मई 2022 और अप्रैल 2023 के बीच, शेख ने बिना रसीद या बिल बनाए कई बिक्री की और नकद भुगतान अपने पास रख लिया।

जब कंपनी ने इसका विरोध किया तो शेख ने पूरी रकम चुकाने का वादा किया और चार बाउंस चेक जारी कर दिए। बाद में कंपनी ने मामले की शिकायत पुलिस को दी। एक पुलिस अधिकारी ने शेख के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात) और 420 (धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति की डिलीवरी के लिए प्रेरित करना) के तहत मामला दर्ज करने की पुष्टि की।

महिला IAS अधिकारी के नाम पर फेसबुक फ्रॉड

लोगों से मांगे पैसे, सबने किए ट्रांसफर ● साईंबाबा संस्थान के कर्मचारी भी ठगी के शिकार

दोपहर संवाददाता । मुंबई\शिरडी

शिरडी साईंबाबा संस्थान की पूर्व महिला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (IAS) के नाम पर उगाही का मामला सामने आया है। मेरा दोस्त जो सीआरपीएफ में अधिकारी है, उसका तबादला हो गया है और वह घर का फर्नीचर बेचना चाहता है... कई लोगों को एक पूर्व महिला आईएएस अधिकारी के फर्जी फेसबुक अकाउंट से ऐसे मैसेज मिले। इसके बाद कई लोगों ने बिना वेरिफाई के दिए गए खाता नंबर पर पैसे ट्रांसफर कर दिए। लेकिन कई लोग यह जानकर हैरान रह गए कि फेसबुक अकाउंट फर्जी था। यह बात सामने आई है कि पैसे ट्रांसफर करने वालों में साईंबाबा संस्थान के कुछ कर्मचारी भी शामिल हैं। महिला आईएएस अधिकारी भाग्यश्री बानायत ने इसकी शिकायत साइबर सेल से की है। सबका मालिक एक और साईं बाबा की श्रद्धा सबुरी का संदेश सात समंदर पार तक है। ऐसे में यह बात सामने आई है कि साईं भक्तों को धोखा देने के लिए साईं बाबा के नाम का इस्तेमाल किया गया है। अब साईंबाबा संस्थान की सीईओ रहीं आईएएस अधिकारी भाग्यश्री बनायत के नाम से फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर फ्रेंड लिस्ट में शामिल लोगों से पैसे की मांग की जा रही है। चूंकि महिला एक आईएएस अधिकारी हैं, इसलिए कई लोगों ने बिना किसी सत्यापन के उनके एक मैसेज पर हजारों रुपये ट्रांसफर कर दिए। कुछ फ्रॉड लोगों ने संबंधित महिला आईएएस का फर्जी अकाउंट बनाकर लाखों रुपये लूटने की साजिश रची है।

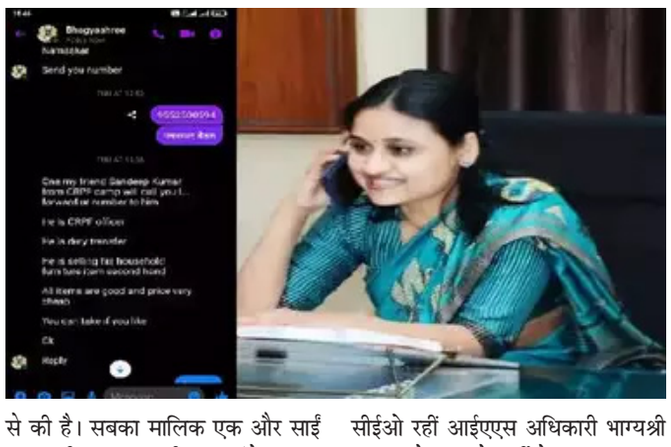

मैसेज क्या कहता है?

आईएएस अधिकारी भाग्यश्री बनायत के नाम से एक फर्जी अकाउंट से आए संदेश में कहा गया, ₹मेरा एक दोस्त संदीप कुमार आपको सीआरपीएफ कैंप से फोन करेगा। आपका नंबर उसे भेज दिया गया है। वह एक सीआरपीएफ अधिकारी हैं। उसका तबादला हो गया है और वह अपने घर के फर्नीचर के सामान और अन्य सामान बेच रहा है और सभी सामान अच्छे हैं और कीमत बहुत कम है। आप चाहें तो इसे ले सकते हैं। उसका फोन उठाओ और पैसे भेजो। यदि कोई समस्या है तो पैसे वापस करना मेरी जिम्मेदारी है। चिंता न करें का मैसेज आते ही कई लोगों ने पैसे ट्रांसफर कर दिए।

भाग्यश्री बनायत ने की अपील

आईएएस भाग्यश्री बनायत ने लगभग एक साल तक साईंबाबा संस्थान, शिरडी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में काम किया। अपनी अच्छी कार्य पद्धति के कारण उन्होंने कम समय में ही बेहतरीन काम कर लोगों के दिलों में जगह बना लिया। इसका फायदा उठाते हुए संबंधित व्यक्ति ने फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर लोगों से ठगी की। इस बारे में जब भाग्यश्री बनायत से बात की गई तो उन्होंने कहा कि यह अकाउंट मेरा नहीं है और जिन लोगों को पैसों के संबंध में मैसेज आ रहे हैं उन्हें किसी के झांसे में नहीं आना चाहिए। अगर उन्हें ऐसे मैसेज मिलते हैं तो उनसे अनुरोध है कि वे नजदीकी पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करें।

दो बजे
दोपहर
मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

न्यूज़ ब्रीफ

ओशो फाउंडेशन की याचिका खारिज

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट से पुणे के ओशो इंटरनॅशनल फाउंडेशन को बड़ा झटका लगा है। अदालत ने मुंबई के संयुक्त चैरिटी आयुक्त के फैसले को बरकरार रखते हुए ओशो फाउंडेशन की याचिका को खारिज कर दिया है। संयुक्त चैरिटी आयुक्त ने एमपीटी अधिनियम की धारा 36 (1) (ए) के तहत ओशो फाउंडेशन के ट्रस्टियों के 8 अप्रैल 2024 के आवेदन को अस्वीकार कर दिया था और उसे राजीव नयन राहुल कुमार बजाज और ऋषभ फैमिली ट्रस्ट से प्राप्त 50 करोड़ रुपए की बयाना राशि बिना ब्याज के वापस करने का निर्देश दिया जाता था। न्यायमूर्ति जी.एस.कुलकर्णी और न्यायमूर्ति फिरदोश पी.पूनीवाला की खंडपीठ के समक्ष ओशो इंटरनेशनल फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई हुई।

अनमोल विचार हमें शाकाहारी के मूल्यों का प्रचार करना चाहिए : मोरारजी देसाई

सीट बंटवारे पर कांग्रेस में सिर फुटौवल

सांगली में बगावत, वर्षा गायकवाड़ भी नाराज़

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाविकास आघाडी के शीर्ष नेताओं ने भले ही मंगलवार को यह ऐलान कर दिया कि सीटों के बंटवारे का मुद्दा सुलझ गया है, लेकिन इसके खिलाफ जहां सांगली में कांग्रेस विधायक व पूर्व मंत्री विश्वजीत कदम की अगुवाई में विशाल पाटिल ने बगावत का बिगुल बजा दिया है, वहीं मुंबई की दक्षिण मध्य लोकसभा सीट से उम्मीदवारी न मिलने से मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व मंत्री वर्षा गायकवाड़ भी बेहद नाराज़ हैं। मंगलवार को मुंबई में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में वर्षा नहीं पहुंची, उन्होंने अपने तेवर से साफ़ कर दिया है कि मुंबई में जिस तरह से सीटों का बंटवारा हुआ है। इससे वे खुश नहीं हैं। वहीं सांगली सीट से पूर्व मंत्री विश्वजीत कदम की पूरी कोशिश कांग्रेस की तरफ से विशाल पाटिल को उम्मीदवार बनाने की थी, लेकिन ऐसा न होने से वे भी अब बगावत के मूड में हैं।

सांगली में विशाल पाटिल निर्दलीय लड़ सकते हैं चुनाव

सांगली सीट से चुनाव लड़ने के इच्छुक विशाल पाटिल ने अब निर्दलीय चुनाव लड़ने के संकेत दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक सांगली की सीट के लिए एक बार फिर कांग्रेस ने उद्धव की पार्टी को नांदेड़ की सीट देने का ऑफर दिया है। इस बारे में राकां अध्यक्ष शरद पवार से मध्यस्थता करने की अपील की गई है, लेकिन अब इसकी संभावना कम नज़र आ रही है कि उद्धव सांगली सीट से अपने उम्मीदवार चन्द्रहार पाटिल को दूसरी जगह शिफ्ट करेंगे।

कार्यकर्ताओं में नाराजगी ,कदम व पाटिल नॉट रिचेबल

सांगली की सीट यूबीटी को मिलने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी है। शशिकांत नागे ने कहा कि यहां से विशाल पाटिल को उम्मीदवारी मिलनी चाहिए थी। लेकिन जिन लोगों ने उनका टिकट काटने की साजिश रची है, उनका करेक्ट कार्यक्रम यहां किया जाएगा। विशाल पाटिल और विश्वजीत कदम दोनों ही नॉट रिचेबल हो गए हैं। विशाल पाटिल राज्य के पूर्व सीएम वसंत दादा पाटिल के पोते हैं।

कमजोर नेतृत्व से हुआ यह हाल- चव्हाण ने पटोले पर किया हमला

कांग्रेस छोड़ कर बीजेपी में शामिल हुए पूर्व सीएम अशोक चव्हाण ने कहा है कि प्रदेश कांग्रेस के कमज़ोर नेतृत्व की वजह से आज कांग्रेस को सांगली व भिवंडी की अपनी सीटों से हाथ धोना पड़ा है। उन्होंने कहा कि इससे पहले कांग्रेस की स्थिति कभी ऐसी नहीं थी। चव्हाण ने यह बयान देकर प्रदेश अध्यक्ष के जख्मों पर नमक रगड़ने का काम किया है।

भीमा कोरेगांव हिंसा मामला
'निगरानी खर्च का भुगतान करने से बच नहीं सकते'

सुप्रीम कोर्ट का नवलखा को दो टूक जवाब

मुंबई/नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भीमा कोरेगांव के आरोपी गौतम नवलखा से कहा कि अगर घर में नजरबंदी की मांग की गई है तो राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा किए गए निगरानी खर्च का भुगतान करने के अपने दायित्व से बच नहीं सकते। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ एनआईए की अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 2018 के भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में आरोपी नवलखा को जमानत दी गई थी। सुनवाई के दौरान एनआईए के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पीठ को बताया कि नवलखा पर एजेंसी का लगभग 1.64 करोड़ रुपए बकाया है।
इस पर पीठ ने यह टिप्पणी की कि अगर आपने (नवलखा) हाउस अरेस्ट मांगा है तो आपको इसका खर्च चुकाना होगा। कोर्ट ने कहा, आप अपने दायित्व से बच नहीं सकते हैं। नवलखा की ओर से पेश वकील शादान फरासत ने भुगतान करने की इच्छा व्यक्त की।

वर्ली के इंडस्ट्रियल एस्टेट में लगी भीषण आग

लाखों का सामान जलकर खाक, कोई हताहत नहीं

मुंबई। मुंबई के वर्ली इलाके के इंडस्ट्रियल एस्टेट में मौजूद एक गोदाम में मंगलवार को भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां तुरंत पहुंचीं और आग पर काबू पाया। इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के अधिकारियों ने बताया कि मुंबई के वर्ली इलाके के गांधी नगर में इंडस्ट्रियल एस्टेट में स्थित एक इमारत में आग लग गई। आग सुबह 10:45 बजे दो मंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर मौजूद गोदाम में भड़की।

आग लगने के कारणों का पता नहीं

फायर ब्रिगेड कर्मियों ने आग को ज्यादा फैलने से पहले ही उस पर काबू पा लिया और आग एक कार्यालय तक सीमित रही। इस दौरान आग की लपटे इमारत से उठती दिखी। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। मौके पर फायर ब्रिगेड के अलावा मुंबई पुलिस, 108 एम्बुलेंस सेवा, बीएमसी के स्थानीय अधिकारी, बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बीईएसटी) और अन्य संबंधित एजेंसियां मौजूद रहीं। फ़िलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

338 स्थानों पर सामूहिक गुढीपूजन

मंदिरों की स्वच्छता और सुराज्य की स्थापना हेतु शपथग्रहण

मुंबई। हिंदू नववर्ष के अवसर पर 'महाराष्ट्र मंदिर महासंघ', 'हिंदू जनजागृति समिति', मंदिरों के न्यासीयों, पुजारियों, हिंदुत्व संगठनों और धर्म प्रेमियों की पहल पर, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा और उत्तर प्रदेश राज्य में लगभग 338 स्थानों पर सामूहिक गुढीपूजन किया । विशेष बात यह है कि इस बार कई जगहों पर सामूहिक रूप से मंदिरों की साफ-सफाई की गई । गुढीपूजन के बाद सभी ने 'सुराज्य' स्थापित करने की सामूहिक शपथ ली, ऐसी जानकारी 'महाराष्ट्र मंदिर महासंघ' के समन्वयक तथा 'हिन्दू जनजागृति समिति' के महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ राज्य संगठक सुनील घनवट द्वारा दी गयी। महाराष्ट्र में 239, कर्नाटक में 60, गोवा में 35 और उत्तर प्रदेश राज्य में 4 स्थानों पर सामूहिक गुढीपूजन किया गया । पुणे में ज्योतिर्लिंग श्री भीमाशंकर देवस्थान, छत्रपति संभाजीनगर में ज्योतिर्लिंग श्री घृष्णेश्वर देवस्थान, ओझर (पुणे) में श्री विघ्नहर गणपति मंदिर सहित कई मंदिरों ने सामूहिक गुढीपूजन किया गया । इसके अलावा कुछ स्थानों पर सार्वजनिक स्थानों, चौक-चौराहों, मैदानों पर सामूहिक गुढीपूजन किया गया ।

"हिन्दू धर्म में साढे तीन मुहूर्तों पर शुभ कृत्य करने का संकल्प किया जाता है । गुढीपाडवा, यह साढे तीन मुहूर्तों में से एक मुहूर्त है । अयोध्या में हाल ही में श्री रामलला विराजमान होने के पश्चात देश को आध्यात्मिक अधिष्ठान प्राप्त हुआ है । अब देश को आवश्यकता है रामराज्य की अर्थात 'स्वराज्य से सुराज्य'की ओर जाने की ! प्रभु श्रीराम ने सकल जनों का कल्याण करनेवाला आदर्श रामराज्य स्थापित किया । इसके साथ ही आदर्श राज्य स्थापित होने के लिए सभी को अपने जीवन में और सामाजिक जीवन में रामराज्य लाने के लिए निरंतर कुछ वर्ष प्रयत्न करना होगा ।
-**सुनील घनवट**, राज्य समन्वयक, महाराष्ट्र मंदिर महासंघ

3 जोड़ी अनारक्षित स्पेशल ट्रेनें चलाएगी पश्चिम रेलवे

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराये पर अनारक्षित स्पेरशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है। उधना-छपरा-उधना अनारक्षित स्पेशल ट्रेन (12 फेरे): ट्रेन संख्या 09041 उधना-छपरा स्पेशल बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और सोमवार, 10, 11, 12, 15, 17 और 18 अप्रैल, 2024 को 11.25 बजे उधना से प्रस्थानन करेगी और अगले दिन 19.00 बजे छपरा पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09042 छपरा-उधना स्पेशल गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार और मंगलवार, 11, 12, 13, 16, 18 और 19 अप्रैल, 2024 से 23.00 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार, रविवार, सोमवार और गुरुवार को 07.30 बजे उधना पहुंचेगी।

कांग्रेस को झटके पर झटका | प्रवक्ता ने दिया इस्तीफा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में विपक्षी पार्टी और महाविकास अघाड़ी के घटक दल कांग्रेस को झटके पर झटका लग रहा है। अब महाराष्ट्र इकाई के प्रवक्ता राजू वाघमारे ने पार्टी छोड़ दी है। वह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। उन्होंने थाणे में दिवंगत शिव सेना नेता आनंद दिघे के निवास-सह-कार्यालय 'आनंद आश्रम' में आयोजित एक समारोह में मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली शिव सेना में शामिल होने का ऐलान किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि पार्टी को उनके अनुभव से लाभ मिलेगा। उन्होंने घोषणा की कि वाघमारे शिवसेना के उपनेता और प्रवक्ता होंगे।

'उद्धव ठाकरे के आगे दब चुका है कांग्रेस नेतृत्व'

शिव सेना में शामिल होने के बाद वाघमारे ने दावा किया कि महा विकास अघाड़ी गठबंधन में सीट बंटवारे की बातचीत के दौरान सांगली और भिवंडी लोकसभा सीटों पर मजबूत दावा करने में कांग्रेस विफल रही। इससे पार्टी कार्यकर्ताओं में भ्रम और चिंताएं घर कर गई हैं। वाघमारे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व उद्धव ठाकरे के आगे दब चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अंदर भारी उथल-पुथल मची हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की कार्यशैली को देखने के बाद ही शिवसेना में शामिल होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लोगों के साथ-साथ पार्टी कार्यकर्ताओं का भी ख्याल रखते हैं। वाघमारे ने कहा, "जब मैं विपक्ष में था, तब भी मैंने उनके काम की प्रशंसा की थी।"

राजनीति में सकारात्मकता आई : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने राजनीति में नकारात्मकता को दूर किया है और सकारात्मकता लाई है और इसके अच्छे काम ने लोगों को विश्वास दिलाया है। शिंदे ने कहा, विपक्ष को अगले 50 साल के लिए घोषणापत्र घोषित करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, रकांग्रेस को पिछले 50 वर्षों में अपने कामकाज और प्रदर्शन का हिसाब देना चाहिए। आधिकारिक आवास 'वर्षा' में राजनीतिक बैठकें आयोजित करने पर विपक्षी नेताओं की आलोचना और आरोपों पर शिंदे ने कहा कि वहां ऐसी बैठकें आयोजित करने में कुछ भी गलत नहीं है। शिंदे ने कहा कि सत्तारूढ़ 'महायुति' गठबंधन के साथ सब कुछ ठीक चल रहा है।

मराठी में साइनबोर्ड्स नहीं लगाना अब पड़ेगा महंगा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बीएमसी ने कहा कि मराठी या देवनागरी लिपि में साइनबोर्ड नहीं लगाने वाले दुकानों और प्रतिष्ठानों को 1 मई से दोगुना संपत्ति कर देना होगा। एक विज्ञप्ति में, बृहन्मुंबई नगर निगम ने यह भी कहा कि उसने रोशनी वाले बोर्डों (glow signs) के लाइसेंस को रद्द करने का फैसला किया है, जिन पर मराठी या देवनागरी लिपि में अक्षर नहीं हैं, उन्होंने कहा कि लाइसेंस को रिन्यू करने में 25,000 रुपये से 1.5 लाख रुपये के बीच खर्च आएगा। सुप्रीम कोर्ट (Supreme Court) के निर्देश और महाराष्ट्र दुकानें और प्रतिष्ठान (रोजगार और सेवा की शर्तों का विनियमन) नियम, 2018 और महाराष्ट्र दुकानें और प्रतिष्ठान (रोजगार और सेवा की शर्तों का विनियमन) नियम 35 और धारा 36 सी का पालन न करने पर यह कार्रवाई की जा रही है।
विज्ञप्ति के अनुसार, हाल ही में नियुक्त बीएमसी आयुक्त-सह-प्रशासक भूषण गगरानी द्वारा इस मुद्दे पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कड़ी कार्रवाई करने के निर्णय को अंतिम रूप दिया गया।
सुप्रीम कोर्ट ने 23 नवंबर, 2023 की समय सीमा से पहले दुकानों और प्रतिष्ठानों में साइनबोर्ड पर मराठी भाषा या देवनागरी लिपि प्रदर्शित करने के लिए दो महीने का समय दिया था।

87,047 दुकानों और प्रतिष्ठानों की जांच की गई

इसके बाद, नागरिक निकाय ने 28 नवंबर, 2023 से अनुपालन की जांच के लिए एक अभियान शुरू किया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस साल 28 नवंबर, 2023 से 31 मार्च के बीच कुल 87,047 दुकानों और प्रतिष्ठानों की जांच की गई, जिसमें से 84,007 यानी 96.50 प्रतिशत ने मराठी साइनबोर्ड लगाए हुए पाए गए।

3,040 दुकानों और प्रतिष्ठानों को कानूनी नोटिस जारी

बीएमसी ने मराठी भाषा या देवनागरी लिपि में साइन बोर्ड प्रदर्शित नहीं करने पर 3,040 दुकानों और प्रतिष्ठानों को कानूनी नोटिस जारी किया है। इसमें कहा गया है कि कुछ मामले, जिनमें नोटिस जारी किए गए हैं, उनकी सुनवाई अदालत में हो रही है, जबकि अन्य अधिनियम में प्रावधान के अनुसार मामले को प्रशासनिक तरीके से निपटाने के लिए उपायुक्त (विशेष) के समक्ष सुनवाई के लिए उपस्थित होते हैं।

'4 जून के बाद घर में ही है रहना'

ऊद्धव ने की पीएम मोदी की आलोचना, चंद्रशेखर बावनकुले ने किया पलटवार

मुंबई। महाराष्ट्र में मंगलवार को महाविकास अघाड़ी ने गुड़ी पड़वा 2024 के शुभ अवसर पर लोकसभा सीट बंटवारे के फार्मूले की घोषणा की। इस वक्त मीडिया से बात करते हुए उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। चंद्रपुर में हुए मोदी के एक सभा से उद्धव ठाकरे ने नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने सूर्य ग्रहण, अमावस्या और नरेंद्र मोदी की सभा जैसे शब्दों से मोदी पर निशाना साधा। ऐसे में अब इसका जवाब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने दिया है।

उद्धव और राहुल पर हमला

इसके साथ ही चन्द्रशेखर बावनकुले ने राहुल गांधी की भी आलोचना की। उन्होंने अपनी राय जाहिर करते हुए कहा कि 'इस साल भी लोग राहुल गांधी को वोटिंग के जरिये सबक सिखाएंगे। बता दें कि चन्द्रशेखर बावनकुले ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर उद्धव ठाकरे की आलोचना की है। चन्द्रशेखर बावनकुले ने इस पोस्ट में लिखा कि 'उद्धव ठाकरे, जिनके नेतृत्व ने ढाई साल तक राज्य को लूटा, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना कर रहे हैं। यह बहुत बड़ा मजाक है' ऐसे में उन्होंने मोदी की आलोचना करने वाले उद्धव ठाकरे पर जोरदार पलटवार किया है। आगे उन्होंने लिखा, "माविया की सरकार के दौरान फिरौती वसूली गिरोह कौन चला रहा था?

इस बार 2,641 मतदान केंद्र बढ़े

लोकसभा चुनाव के लिए राज्य में 98 हजार 114 मतदान केंद्र

दीपक पवार । मुंबई

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए राज्य में 2 हजार 641 नए मतदान केंद्र जोड़े गए हैं। इस बार राज्य में 98 हजार 114 मतदान केंद्र होंगे। 2004 के लोकसभा चुनाव में कुल 64 हजार 508 मतदान केंद्र थे। 2009 में कुल 83 हजार 986 मतदान केंद्र स्थापित किये गये थे। 2014 में कुल 91 हजार 329 मतदान केंद्र बनाये गये थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में 95 हजार 473 मतदान केंद्र स्थापित किये गये थे। फिलहाल 98 हजार 114 मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे और जैसे-जैसे मतदाताओं का पंजीकरण चल रहा है, इन मतदान केंद्रों में बढ़ोतरी की संभावना है।

पुणे में सबसे अधिक मतदान

पुणे में सबसे अधिक मतदान केंद्र हैं और सिंधुदुर्ग में सबसे कम मतदान केंद्र हैं। इस बार सबसे ज्यादा मतदान केंद्र पुणे में हैं। इसकी संख्या 8 हजार 382 है। इसके बाद मुंबई उपनगर में 7 हजार 380 मतदान केंद्र होंगे। ठाणे में 6 हजार 592, नासिक में 4 हजार 800 और नागपुर में 4 हजार 510 मतदान केंद्र होंगे। सिंधुदुर्ग और गढ़चिरौली में सबसे कम मतदान केंद्र हैं। सिंधुदुर्ग में 918 और गढ़चिरौली में 950 मतदान केंद्र होंगे।

7 जिलों में 3000 से ज्यादा मतदान केंद्र

7 जिलों में 3000 से ज्यादा मतदान केंद्र हैं। अहमदनगर में 3 हजार 734, सोलापुर में 3 हजार 617, जलगांव में 3 हजार 582, कोल्हापुर में 3 हजार 368, औरंगाबाद में 3 हजार 085, नांदेड़ में 3 हजार 047 और सतारा में 3 हजार 025 मतदान केंद्र होंगे। 10 जिलों में 2000 से ज्यादा मतदान केंद्र हैं। रायगढ़ में 2 हजार 719, अमरावती में 2 हजार 672, यवतमाल में 2 हजार 532, मुंबई शहर में 2 हजार 517, सांगली में 2 हजार 448, बीड में 2 हजार 355, बुलढाणा में 2 हजार 266, पालघर में 2 हजार 263, 2 लातूर में 102 हजार और चंद्रपुर में 2 हजार 044 मतदान केंद्र होंगे।

2000 से कम मतदान केंद्र

2000 से कम मतदान केंद्रों वाले जिले इस प्रकार हैं - नंदुरबार 1 हजार 412, धुले 1 हजार 704, अकोला 1 हजार 719, वाशिम 1 हजार 76, वर्धा 1 हजार 308, भंडारा 1 हजार 156, गोंदिया 1 हजार 288, हिंगोली 1 हजार 17 , परभणी में 1 हजार 587, जालना में 1 हजार 719, उस्मानाबाद में 1 हजार 503, रत्नागिरी में 1 हजार 717 मतदान केंद्र होंगे। मतदान केन्द्र स्थापित करने के मापदण्ड, मतदान केन्द्र का डिजाइन, मतदान केन्द्र का निर्धारण करते समय न्यूनतम एवं अधिकतम मतदाताओं का निर्धारण, मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन, संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केन्द्रों का निर्धारण आदि के संबंध में निर्णय। मतदान केंद्र पर सुविधाएं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ली जाती हैं। आयोग इस बात का ध्यान रखता है कि मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुंचने में कोई परेशानी न हो। मतदान केंद्रों की 'संवेदनशीलता' को देखते हुए वहां आवश्यक सुरक्षा मुहैया कराई जाती है। केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के मुताबिक, हर मतदान केंद्र पर न्यूनतम बुनियादी सुविधाएं होनी चाहिए। इसमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए रैंप, पीने का पानी, शौचालय, बिजली आपूर्ति, प्रकाश योजना, व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं के लिए उपयुक्त चौड़ाई के दरवाजे और फर्नीचर जैसी न्यूनतम सुविधाएं शामिल हैं। सुदूरवर्ती इलाकों में स्थित मतदान केंद्रों पर विशेष चौकसी बरती जायेगी।

संपादकीय

जांच पर आंच

पश्चिम बंगाल में आपराधिक घटनाओं को सियासी रंग देने का पुराना इतिहास रहा है। अब चाहे वहां वामपंथी शासन रहा हो, कांग्रेस का हो या अब तृणमूल कांग्रेस का हो। लेकिन शुरुआती सूचनाओं के हिसाब से जल्दबाजी में किसी निष्कर्ष तक पहुंचना ठीक नहीं है। निस्संदेह, आम चुनाव की तरफ बढ़ रहे देश में जांच एजेंसियों के एक पक्ष के खिलाफ कार्रवाई करने से उनकी निष्पक्षता पर प्रश्न उठना भी स्वाभाविक ही है। इससे जहां एजेंसियों की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ता है, वहीं देश की चुनाव प्रक्रिया पर भी आंच आती है। बहरहाल इस घटनाक्रम के विरोध में तृणमूल कांग्रेस के दस सांसदों ने सोमवार को दिल्ली स्थित चुनाव आयोग के मुख्यालय के बाहर धरना दिया। पुलिस बाद में सांसदों को जबरन उठाकर ले गई। लेकिन इसके बावजूद किसी मामले में जांच-पड़ताल को गई किसी एजेंसी के अधिकारियों पर हमला करना भी दुर्भाग्यपूर्ण कहा जाएगा। ऐसे मामले में भीड़ की अराजकता स्वीकार्य नहीं है। लेकिन एक बात तो तय है कि पश्चिम बंगाल के ईस्ट मेदिनीपुर क्षेत्र में शनिवार की सुबह एनआईए अधिकारियों पर हमले का निष्कर्ष है कि राज्य के तंत्र ने विगत के घटनाक्रम से कोई सीख नहीं ली। ध्यान रहे कि इस साल की शुरुआत में संदेशखाली प्रकरण में भी प्रवर्तन निदेशालय की टीम भीड़ के हमले का शिकार बनी थी। फिर इस मुद्दे पर जमकर राजनीति हुई थी। जाहिर है ऐसे घटनाक्रम राजनीति से इतर स्वतंत्र जांच की उम्मीद को खत्म करते हैं। निस्संदेह घटनाक्रम से जुड़े वास्तविक तथ्यों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। यहां उल्लेखनीय है कि एनआईए यह जांच कलकत्ता हाईकोर्ट के कहने पर कर रही है। दरअसल, मामला साल 2022 में हुए एक बम धमाके से जुड़ा है, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। जिसकी जांच लंबे अर्से बाद उच्च न्यायालय द्वारा एनआईए को सौंपी गई। एजेंसियों ने पूछताछ के लिये आरोपियों को कई बार बुलाया था, जिसे नजरअंदाज कर दिया गया। कहा जा रहा है कि एजेंसी ने यह कार्रवाई उचित नियमों के अनुरूप ही की है। बहरहाल, राजनीति से इतर हमें मानना होगा कि किसी मामले में केंद्रीय एजेंसी से जुड़े अधिकारियों पर हमला व कामकाज में अवरोध पैदा करना संघीय व्यवस्था के लिये घातक ही है। उल्लेखनीय है कि संदेशखाली में भी ईडी अधिकारियों पर हमला हुआ था। लेकिन राज्य सरकार ने मुख्य आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। तब भी उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। बाद में विवाद बढ़ते देख आरोपियों को तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित किया गया था। आरोपी पार्टी का बाहुबली नेता था। घटनाक्रम से राज्य सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठे थे। सवालिया निशान राज्य की कानून व्यवस्था व महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की अनदेखी पर भी उठे थे। वहीं राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा के इशारे पर एजेंसियों द्वारा पार्टी के नेताओं को डराया जा रहा है। दूसरी ओर तृणमूल सुप्रीमो एनआईए द्वारा बम धमाके के आरोपी की गिरफ्तारी के लिये रात में जाने को लेकर सवाल उठा रही हैं। उनकी दलील है कि ग्रामीण रात को आने वाले अनजान व्यक्ति को देखकर आक्रामक हो जाते हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या छापेमारी से पहले एनआईए ने स्थानीय पुलिस का सहयोग लिया था? या फिर राजनीतिक दबाव में काम कर रही स्थानीय पुलिस को सूचना देने से गोपनीयता भंग होने की आशंका से एनआईए ने छापे की पूर्व सूचना नहीं दी? दूसरी ओर एनआईए का कहना है कि सूचना दी गई थी लेकिन स्थानीय पुलिस का रवैया सहयोग करने वाला नहीं था। बताया जाता है कि जिस व्यक्ति को गिरफ्तार करने एनआईए गई थी वह तृणमूल कांग्रेस का नेता है। विगत में भी ममता बनर्जी अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्थन में खुलकर मैदान में आ जाती हैं। यह विडंबना ही है कि तृणमूल कांग्रेस व भाजपा नेताओं के बीच जारी टसल के चलते केंद्र व राज्य के संबंधों में तनाव की स्थिति बन रही है। साथ ही केंद्रीय जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता पर आंच आ रही है।

ऑनलाइन स्वाद के ज़हरीले सच की जवाबदेही

पिछले दिनों एक परेशान करने वाली खबर अखबारों की सुर्खी बनी। पटियाला में जन्मदिन पर ऑनलाइन केक मंगवाकर खाने से एक बच्ची की मौत हो गई। इसके अलावा बच्ची का पूरा परिवार भी बीमार पड़ गया। विगत में ऑनलाइन मंगवाए गए जहरीला खाना खाने से मरने या बीमार होने के समाचार देश के दूरदराज के इलाकों से सामने आते रहे हैं। पटियाला की घटना की प्रारंभिक जांच से पता चला कि केक का ऑर्डर ऑनलाइन दिया गया था। सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह रही है कि जिस आउटलेट के नाम से कंपनी बनाई गई थी, उस जगह पर केक बनाने व सप्लाई करने वाली कोई कंपनी ही नहीं थी। न ही इस तरह का कोई आउटलेट ही वहां पाया गया था। इसके बाद जब मामले ने तूल पकड़ा तो पुलिस जांच में यह खुलासा हुआ कि विक्रेता के स्वामित्व वाली मूल बेकरी किसी दूसरे ही नाम से चल रही थी तथा ऑनलाइन आपूर्ति करने वाली कंपनी महज कागजों में थी और घर या स्टोर आदि से सामान बनाकर उपभोक्ताओं के ऑर्डर लिये और सप्लाई किये जा रहे थे। बहुत संभव है इसके मूल में आपराधिक सोच रही हो कि दूषित खाद्य पदार्थों की सप्लाई से कोई दुर्घटना होती है तो जनाक्रोश व पुलिस की कार्रवाई से बचा जा सके। लेकिन पुलिस इस मामले की तह तक पहुंची और मूल बेकरी के कुछ कर्मचारियों को गिरफ्तार भी किया गया और सूत्रधार की तलाश की जा रही है। बाकी घटनाक्रम की हकीकत पुलिस की इच्छाशक्ति और ईमानदार जांच से ही पता चल पाएगी।

यहां सहज-सरल स्वाभाविक सवाल यह है कि देश में जब बाजार से मंगवाकर खाने-पीने की चीजों का कारोबार अंधाधुंध रूप से बढ़ रहा है तो क्या केंद्र व राज्य सरकारों की ओर से बाजार में बिकने वाले खाने की चीजों की गुणवत्ता की निगरानी के लिये कोई नये कायदे-कानून बने हैं? क्या इस उछाल मारते कारोबार पर नजर रखने के लिये कोई नियामक संस्था बनायी गई है? या फिर मानकर चलें कि सब रामभरोसे चल रहा है? सवाल यह भी है कि पुराने खाद्य वस्तु नियामक कानूनों को भी नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से अपडेट किया गया है? क्या इसमें ऐसे मामलों में घटिया

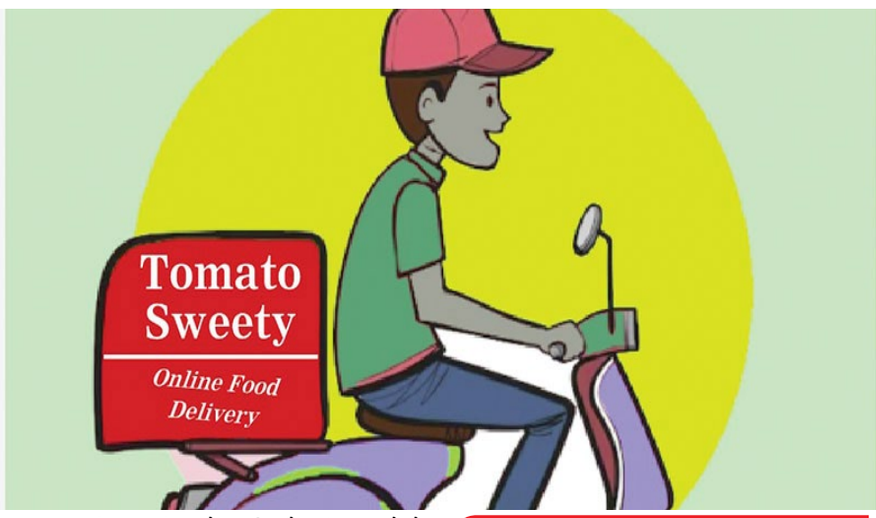

खाद्य सामग्री सप्लाई करने वालों को दंडित करने के लिये कड़े प्रावधान हैं? आये दिन ऑनलाइन खाने की चीजें सप्लाई करने में गड़बड़ियों के मामले सामने आते रहे हैं। आम लोगों को पता चलना चाहिए कि उन मामलों में क्या कार्रवाई हुई है!

हम आए दिन फेमस कंपनियों की खाने की चीजें सप्लाई करने वाले बाइकरों के पीछे लगे गंदे-फटे बैग देखते हैं, जो शायद वर्षों से नहीं धुले होते हैं। जिन्हें देखकर मन खट्टा होता है। बहुत संभव है कि साफ-सफाई के अभाव में खाना खाने वाले व्यक्ति के घातक कीटाणुओं से संक्रमित होने की संभावना बन जाए। क्या जिन बैगों में खाने की चीजें उपभोक्ताओं तक पहुंचाई जाती हैं, उनकी नियमित साफ-सफाई होती है? क्या फूड कैरियर बैग्स को साफ सुथरा रखने की जिम्मेदारी आपूर्ति करने वाली कंपनियों की नहीं बनती? हम अपने घर में बनने वाले खाने को तैयार करने में साफ-सफाई की एक लंबी प्रक्रिया का ध्यान रखते हैं। हालांकि, वैसी साफ-सफाई की उम्मीद मुनाफे के लिये कारोबार करने वाली कंपनियों से तो नहीं ही की जा सकती, मगर नागरिकों की सेहत के लिये कैरियर बैग व बर्तनों को पहली नजर में तो कम से कम साफ सुथरा तो नजर आना ही चाहिए। यह बात तो तय है कि यदि वैज्ञानिक तरीकों से खाने की

नरेश कौशल

चीजें सप्लाई करने वाले इन फूड कैरियर बैग्स की जांच की जाए तो ये पक्का नुकसान पहुंचाने वाले बेक्टेरिया से संक्रमित पाये जा सकते हैं। ऐसे में ऑनलाइन खाने की चीजें मंगवाने वाले लोगों के स्वास्थ्य के लिये जरूरी है कि इन फूड कैरियर बैगों को प्रतिदिन नियमित रूप से कैमिकली वॉश किया जाए। लेकिन फिलहाल इन गंदे बैगों को देखकर ऐसा होता नजर नहीं आता। दरअसल होना तो यह चाहिए कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करने वाले फूड इंस्पेक्टरों को खाने के सामान की सप्लाई करने वाले आउटलेट, ढाबों व होटलों की नियमित जांच करनी चाहिए। साथ ही रास्तों में भी इन फूड कैरियरों की औचक जांच करनी चाहिए। ताकि सप्लाई करने वाली कंपनियां भी साफ-सफाई के प्रति सजग रहें और नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ न हो सके। अक्सर सुनने में आता है कि फूड कैरियर ने खाने की वस्तुएं पहुंचाने में ऊंच-नीच की है। ऐसे में कोई ऐसा मैकेनिज्म भी तो होना चाहिए, जिसके जरिये ऑनलाइन खाद्य पदार्थों की सप्लाई के लिये ओटीपी की व्यवस्था हो, जिसके बताने पर ही टिफिन बॉक्स का लॉक खुल सके। साथ ही खाद्य पदार्थों की सप्लाई करने वाले आउटलेट्स की खाने की चीजें बनाने की प्रक्रिया, पैकिंग और सप्लाई की कैमरे से निगरानी हो, ताकि जरूरत पड़ने पर गुणवत्ता की प्रामाणिक जांच की जा सके। दरअसल, ऑनलाइन खाने के सामान की आपूर्ति को नागरिकों के स्वास्थ्य के नजरिये से सुरक्षित बनाने के लिये देश में सख्त कानूनों की जरूरत है। यदि मिलावट व घटिया सामान कस्टमर को देने पर दंड के कड़े प्रावधान होंगे, तो सामान बेचने वाले आउटलेट, होटल व ढाबों के मालिकों को जिम्मेदार व जवाबदेह बनाया जा सकेगा। जहां मिलावट व लापरवाही से किसी की जान जाने का मामला हो, वहां उम्रकैद व भारी जुर्माने का प्रावधान होना चाहिए। साफ है कि किसी उपभोक्ता के जीवन से खेलने का किसी को भी अधिकार नहीं है। जहरीला केक परोसने की घटना से सबक लेकर इस दिशा में सख्त से सख्त कानून बनाने की जरूरत अब महसूस की जा रही है। वहीं दूसरी ओर देश में तेजी से फास्टफूड का खानपान बढ़ा है। खासकर हमारी युवा पीढ़ी इसकी जुनून की हद तक दीवानी है। अकसर कहा जाता है कि इन फास्टफूडों को बनाने में घटिया तेल का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं तमाम ऐसे रासायनिक पदार्थ इन्हें चटपटा बनाने के लिये इस्तेमाल किये जाते हैं जो स्वास्थ्य के लिये गंभीर संकट पैदा कर सकते हैं। ये रासायनिक पदार्थ किस मात्रा में इस्तेमाल किये जाने चाहिए और कौन से उपयोग नहीं किये जाने चाहिए, इस बारे में सरकारें व स्थानीय प्रशासन हमेशा खामोश हैं। लेकिन विडंबना यह है कि नई पीढ़ी के बच्चे जहां घर में बने सेहत के अनुकूल खाने की वस्तुओं को देखकर नाक-भौं सिकोड़ते हैं, वहीं बाजार के खुले में बिकने वाले चटपटे फास्टफूड को खाना अपनी शान समझते हैं। इसका युवाओं के लीवर व किडनी आदि पर बुरा असर पड़ रहा है। लेकिन हमारी सरकारें व स्थानीय निकाय के अधिकारी इन फास्टफूड की गुणवत्ता व इनके नकारात्मक प्रभावों को लेकर उदासीन ही नजर आते हैं। यह विडंबना ही है नई पीढ़ी की सेहत से खिलवाड़ करने वाले इन फास्टफूड निर्माताओं की निगरानी करने के लिये कोई कड़े कानून व प्रभावी संस्था अब तक अस्तित्व में नहीं आई है।

कुंडलिनी का स्पंदन

जब कुंडलिनी सुषुम्ना से उठेगी तभी आप पार हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए परमात्मा ने न जाने क्यों एक बड़ी जबरदस्त **condition** लगा दी है। एक बड़ी भारी अटकल है इसमें, जो देना ही पड़ता है।

ये तो साधारण बाहर की पहचान है किसी भी "डॉक्टर" से आप पूछ लें कि जब para sympathetic nervous system activate होती है तो पुतलियां "dilate" होनी चाहिए। और बाहर भी हम आपको दिखा सकते हैं अगर आपकी नजर खुली हुई हो तो। क्योंकि आपको तो हर एक चीज का कोई न कोई proof ही देना पड़ता है, नहीं तो कुछ समझ में नहीं आती बातें इसका भी एक proof है कि गर आप हमारे किसी कार्यक्रम में आए तो आज ही आपको दिखा देंगे। कुंडलिनी का स्पन्दन भी आप देख सकते हैं। आप जानते हैं कि सबसे पहले त्रिकोणाकार अस्थि पर कभी भी कोई स्पन्दन होता नहीं, वो हम दिखा सकते हैं आप गर देखें कि त्रिकोणाकार अस्थि में स्पन्दन होता है, फिर धीरे-धीरे स्पन्दन ऊपर की ओर उठता है और इसके साथ-साथ बीच-बीच में किसी-किसी जगह ज्यादा स्पन्दित होता है। वहीं अपने केन्द्र हैं। ये आपको दिखाया जा सकता है। और इसको आप देख सकते हैं और उसकी प्रचीति देख सकते हैं। जब कुंडलिनी सुषुम्ना से उठेगी तभी आप पार हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए परमात्मा ने न जाने क्यों एक बड़ी जबरदस्त condition लगा दी है। एक बड़ी भारी अटकल है इसमें, जो देना ही पड़ता है। वो यह कि कुंडलिनी सुषुम्ना पर तभी आएगी जब परमात्मा का असीम प्रेम उस आदमी में उतर पड़ेगा जब तक वो प्रेम मनुष्य में उतरेगा नहीं, कुंडलिनी उठने वाली नहीं चाहे आप कुछ कर लें। वो नाराज हो सकती है, गुस्सा हो सकती है। लेकिन कुंडलिनी कभी भी हो सकता है। इसी को हम Sympathetic और Parasympathetic Nervous System कहते हैं। हमारे शरीर के अन्दर ही दो ऐसी शक्तियां विराजमान है कि जिसके बारे में हम बहुत कुछ कम जानते हैं और जिसके बारे में हमें पता लगाने में बड़ी दिक्कतें होती हैं खासकर के Parasympathetic Nervous System के बारे में अपने योग शास्त्र में इसे सुषुम्ना, ईडा और पिंगला ऐसी दो नाडियां बताई हैं। ईंडा और पिंगला ये दोनों ही अपने शरीर में Sympathetic Nervous System का उद्भव करती है। माने उसका जड़तत्व जो है वो Sympathetic Nervous System है।

शख्सियत

प्रफुल्लचंद्र सेन

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री और स्वतंत्रा सेनानी

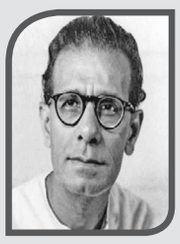

प्रफुल्लचंद्र सेन बंगाल के प्रमुख कांग्रेसी नेता, गांधी जी के अनुयायी और स्वतंत्रता सेनानी थे। प्रफुल्लचंद्र सेन 1961 से 1967 तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री थे। ग्राम विकास के कार्यों और हरिजनोद्धार में योगदान के कारण उन्हें 'आरामबाग का गांधी' कहते थे। स्वतंत्रता आंदोलन में प्रफुल्लचंद्र सेन ने 11 वर्ष तक जेल की सजा भी भोगी थी।

प्रफुल्लचंद्र सेन का जन्म 10 अप्रैल, 1897 ई. में हुगली ज़िले के आरामबाग नामक स्थान में एक ग़रीब परिवार में हुआ था। अपने पिता की हस्तांतरणीय सेवा के कारण उन्होंने पूर्वी भारत के बिहार प्रांत में अपना बचपन बिताया। प्रफुल्लचंद्र ने बिहार के देवघर में आर मित्रा इंस्टीट्यूट से अपनी मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की थी। इसके बाद उन्होंने कलकत्ता के स्कॉटिश चर्च कॉलेज में विज्ञान का अध्ययन किया। फिर कोलकाता विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक हुए। गांधी जी के भाषण से प्रभावित होकर प्रफुल्लचंद्र सेन ने विदेशों में अध्ययन की सभी योजनाओं को त्याग दिया और अंग्रेज़ों के खिलाफ एक जन गैर सहयोग आंदोलन के लिए महात्मा गांधी का साथ दिया। प्रफुल्लचंद्र सेन उदार जीवन शैली के साथ जीवन व्यतीत करते रहें।

प्रफुल्लचंद्र सेन स्वतंत्रता आंदोलन में सदा सक्रिय रहे। 1921, 1930, 1932, 1934 और 1942 में उन्होंने कैद की सजा भोगी और कुल ग्यारह वर्ष तक जेल में बंद रहे। रचनात्मक कार्यों में प्रफुल्लचंद्र सेन की बड़ी निष्ठा थी। ग्राम विकास के कार्यों और हरिजनोद्धार में योगदान के कारण ओग उन्हें 'आरामबाग का गांधी' कहने लगे थे।

प्रफुल्लचंद्र सेन के राजनैतिक जीवन का आरंभ 1948 में डॉ. विधान चंद्र राय के मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में सम्मिलित होने के साथ हुआ। 1962 में बिधान चंद्र राय की मृत्यु के बाद वे पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बने और 1967 तक इस पद पर रहे। इस वर्ष के निर्वाचन में कांग्रेस पराजित हो गई थी। इसके बाद का प्रफुल्लचंद्र सेन का समय रचनात्मक कार्यों में ही बीता। 1968 के कांग्रेस विभाजन में इंदिरा जी के साथ न जाकर प्रफुल्लचंद्र सेन ने पुराने नेतृत्व के साथ ही रहने का निश्चय किया। इस प्रकार उनकी राजनैतिक गतिविधियाँ समाप्त हो गईं। प्रफुल्लचंद्र सेन का 25 सितंबर 1990 को कलकत्ता में निधन हो गया।

जीवन ऊर्जा

मोरारजी देसाई : निधन 10 अप्रैल 1995

अवासन

दूसरे व्यक्ति के साथ क्रूर व्यवहार नहीं करना चाहिए

मोरारजी देसाई का जन्म 29 फ़रवरी1896 में भदेली गाँव के वल्साद जिले में हुआ था। इनका परिवार ब्राह्मण था, जो अत्याधिक रूढ़िवादी प्रवत्ति का था. देसाईजी के पिता एक अध्यापक के रूप में कार्यरत थे। मोरारजी देसाई भारत के स्वाधीनता सेनानी, राजनेता और देश के चौथे प्रधानमंत्री थे। वह प्रथम प्रधानमंत्री थे,जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बजाय अन्य दल से थे। वहीं एकमात्र व्यक्ति हैं जिन्हें भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न एवं पाकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान निशान-ए-पाकिस्तान से सम्मानित किया गया था। 10 अप्रैल 1995 को 99 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु हो गया था।

मैं कोई कारण नहीं जानना चाहता हूं कि मानव शरीर और जानवरों के शरीर में कोई फर्क है,लेकिन हर इंसान की बुद्धि यह बात जान सकती है कि क्या सही है क्या गलत है। यह एक तथ्य है अगर आप किसी को सच्चाई का या मानवता का अहसास दिलाना चाहते हैं,तो उसके साथ जीवन के अहिंसक तरीकों को अपनाना पड़ेगा। किसी भी समय जीवन मुश्किल बन सकता है और किसी भी समय जीवन बहुत आसान बन सकता है। यह सब हमारे जीवन के समायोजन पर निर्भर करता है। जब तक इंसान जानवरों को खाता है,तब तक उसके प्रति क्रूरता को कैसे हटाया जा सकता है।

एक विशेषज्ञ एक उद्देश्य दृश्य देता है,जो कि वह अपना विचार देता है। हमें एक व्यक्ति के साथ दयालुता और दूसरे व्यक्ति के साथ क्रूर व्यवहार नहीं करना चाहिए। शाकाहारी आंदोलन एक प्राचीन आंदोलन है और यह आधुनिक के लिए काफी नहीं है। मेरा मानना है कि किसी भी प्राणी के साथ क्रुरता व्यवहार को रोकना चाहिए। हमें शाकाहारी के मूल्यों का प्रचार करना चाहिए। जब तक

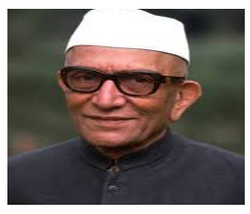

भारत देश का राजकाज अपनी ही भाषा में नहीं चलेगा,तब तक हम सभी यह नहीं कह सकते कि भारत देश में स्वराज है। इसलिए मैं कहूंगा कि आत्मरक्षा के अलावा किसी भी कारण से किसी भी जानवर को मारने के बारे में नहीं सोचना चाहिए। भोजन के मामले में दो बुराइयों में से एक को चुनना है और इसलिए मानव जीवन को बनाए रखने के लिए मनुष्य द्वारा शाकाहारी भोजन लिया गया है। केवल शाकाहार ही हमें करुणा का वह गुण प्रदान कर सकता है, जो मनुष्य को शेष पशु जगत से अलग करता है। प्रारंभिक युगों में मेरा मानना है कि मनुष्य क्या है और उसके वास्तविक कार्य क्या होने चाहिए और उसके जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है, इस पर ज्यादा विचार नहीं किया गया था। जीवन को वैसे ही ले लो जैसे वह आता है। राजनीति में बने रहने में मेरी दिलचस्पी सिर्फ नैतिकता लाने में है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

देवी मेरे पैरों के नीचे शांति है जिसे मैंने किसी को नहीं दिया

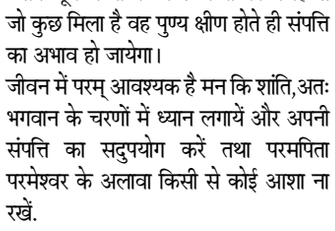

एक समय कि बात है भगवान विष्णु सभी जीवों को कुछ न कुछ चीजें भेंट दे रहे थे,

सभी जीव भेंट स्वीकार करते और खुश हो अपने निवास स्थान के लिए प्रस्थान करते। जब सब चले गए तो श्री लक्ष्मी जी ने भगवान से कहा,हे नाथ मैंने देखा कि आपने सभी को कुछ न कुछ दिया,अपने पास कुछ नहीं रखा लेकिन एक चीज़ आपने अपने पैरों के नीचे छिपा लिया है वो क्या है ?

श्री हरि मंद मंद मुस्कुराते रहे,उन्होंने इसका कोई जवाब नहीं दिया। लक्ष्मी जी ने फिर कहा, प्रभु आपने क्या छुपाया है,कृपया इस रहस्य से पर्दा उठाइये। श्री हरि बोले, देवी मेरे पैरों के नीचे शांति है जिसे मैंने किसी को नहीं दिया, सुख सुविधा तो सभी के पास हो सकती हैं किंतु शांति तो किसी दुर्लभ मनुष्य के पास ही होगी ये मैं सब को नहीं दे सकता।जो मेरी प्राप्ति के लिए तत्पर होगा,जिसकी सारी चेष्टाएं मुझ तक पहुंचने कि होंगी, उसी को ये मिलेगी।

श्री हरि से आज्ञा लेकर शांति कहने लगी, हे जगत्माता! श्री हरि ने मुझे अपने पैरों के नीचे नहीं छिपाया बल्कि मैं स्वयं उनके पैरों के

नीचे छिप गई क्योंकि मैं (शांति) तो केवल हरि चरणों के नीचे ही जीव को मिल सकती हूँ,अन्यथा कहीं नहीं। कहते हैं कि उसी दिन से श्री लक्ष्मी जी ने श्री हर के चरणों कि सेवा शुरू कर दी क्योंकि व्यक्ति सारी सुख संपत्ति से सुसज्जित हो किंतु शांति ही न हो तो उसकी सारी सुख संपत्ति व्यर्थ हो जाती है। अतः स्वयं सुख-समृद्धि की जननी माता लक्ष्मी भी शांति प्राप्ति हेतु श्री हरि के चरणों कि सेवा नित्य करती है। एक हम लोग हैं जो सुख संपत्ति एवं धन को ही लक्ष्मी जी की कृपा समझते हैं परंतु वास्तविकता यह है कि लक्ष्मी जी की कृपा उसी पर है जो अपने धन,संपत्ति,वैभव को श्री हरि चरणों कि सेवा में लगाये अथवा उसके पूर्व जन्मों के अच्छे कर्मों की वजह से जो कुछ मिला है वह पुण्य क्षीण होते ही संपत्ति का अभाव हो जायेगा।

जीवन में परम् आवश्यक है मन कि शांति,अतः भगवान के चरणों में ध्यान लगायें और अपनी संपत्ति का सदुपयोग करें तथा परमपिता परमेश्वर के अलावा किसी से कोई आशा ना रखें.

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

संगठन में शक्ति होती है

एक बार हाथ की पाँचों उंगलियों में आपस में झगड़ा हो गया। वे पाँचों खुद को एक दूसरे से बड़ा सिद्ध करने की कोशिश में लगे थे । अंगूठा बोला की मैं सबसे बड़ा हूँ, उसके पास वाली उंगली बोली मैं सबसे बड़ी हूँ इसी तरह सारे खुद को बड़ा सिद्ध करने में लगे थे जब निर्णय नहीं हो पाया तो वे सब अदालत में गये ।

न्यायाधीश ने सारा माजरा सुना और उन पाँचों से बोला की आप लोग सिद्ध करो की कैसे तुम सबसे बड़े हो? अंगूठा बोला मैं सबसे ज़्यादा पढ़ा लिखा हूँ क्यूंकी लोग मुझे हस्ताक्षर के स्थान पर प्रयोग करते हैं। पास वाली उंगली बोली की लोग मुझे किसी इंसान की पहचान के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। उसके पास वाली उंगली ने कहा की आप लोगों ने मुझे नापा नहीं अन्यथा मैं ही सबसे बड़ी हूँ । उसके पास वाली उंगली बोली मैं सबसे ज़्यादा अमीर हूँ क्यूंकी लोग हीरे और जवाहरात और अंगूठी मुझी में पहनते हैं।

इसी तरह सभी ने अपनी अलग अलग प्रसन्शा की । न्यायाधीश ने अब एक रसगुल्ला मंगाया और अंगूठे से कहा की इसे उठाओ, अंगूठे ने भरपूर ज़ोर लगाया लेकिन रसगुल्ले
को नहीं उठा सका । इसके बाद सारी उंगलियों ने एक एक करके कोशिश की लेकिन सभी विफल रहे। अंत में न्यायाधीश ने सबको मिलकर रसगुल्ला उठाने का आदेश दिया तो झट से सबने मिलकर रसगुल्ला उठा दिया । फ़ैसला हो चुका था, न्यायाधीश ने फ़ैसला सुनाया कि तुम सभी एक दूसरे के बिना अधूरे हो और अकेले रहकर तुम्हारी शक्ति का कोई अस्तित्व नहीं है, जबकि संगठित रहकर तुम कठिन से कठिन काम
आसानी से कर सकते हो। तो मित्रों, संगठन में बहुत शक्ति होती है यही इस कहानी की शिक्षा है, एक अकेला चना कभी भाड़ नहीं फोड़ सकता..

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

लोकसभा चुनाव 2024

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) सुप्रीमो शरद पवार की बेटी और चार बार की सांसद सुप्रिया सुले को इस बार अपने लोकसभा क्षेत्र बारामती में अपने करियर की सबसे कठिन राजनीतिक लड़ाई का सामना करना पड़ रहा है। अपने चचेरे भाई अजित पवार के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की कमान संभालने के साथ, यह शरद पवार की बेटी के लिए सियासी भविष्य 'बनाने या बिगाड़ने' वाला चुनाव है। इस चुनाव में अगर सुप्रिया सुले जीत गईं तो शरद पवार की राजनीतिक विरासत की असली वारिस बन जाएंगी। लेकिन अगर हार गईं तो महाराष्ट्र की राजनीति में अप्रासंगिक हो जाएंगी। सुप्रिया सुले ने अपनी ताकत और अजित पवार के खेमे से उन पर हो रहे निजी हमलों के बारे में बात की। पढ़िए उन्होंने क्या कहा...

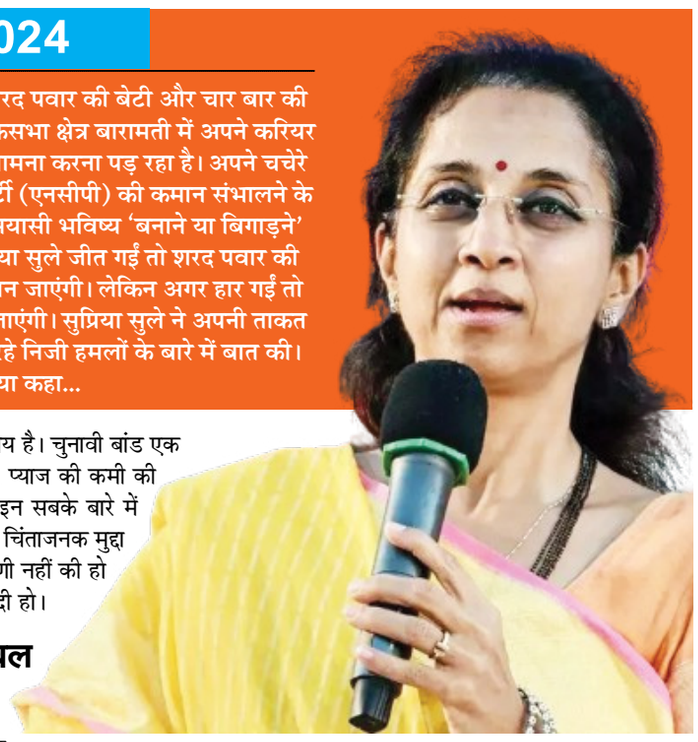

मतदाताओं पर पूरा भरोसा

अजित पवार का बयान कि उन्होंने किसी को अपने लिए काम करने को मजबूर नहीं किया पर सुले ने कहा कि तो फिर उनके ही कार्यकर्ता ऐसा क्यों कहते हैं? उनकी सारी फैक्ट्रियां हैं, मशीनरी वहां है। आप शायद केवल मेरे निर्वाचन क्षेत्र के बारे में बात कर रहे हैं। मुझे अपने मतदाताओं पर पूरा भरोसा है। मेरी सबसे बड़ी ताकत मेरा प्रदर्शन, मेरा संपर्क और विकास है। सबसे बड़ी बात मेरे खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं है। ये चार सबसे बड़ी चीजें हैं जो मेरे पक्ष में काम कर रही हैं।

हमारी राजनीति मर्यादित

प्रतिद्वंद्वी के सवाल पर उन्होंने कहा कि मेरी लड़ाई व्यक्तिगत रूप से बीजेपी से नहीं है, बल्कि उसकी नीतियों से है। मेरे पास बीजेपी में किसी से भी अधिक मित्र हैं, लेकिन यह मेरे लिए है। राजनीति व्यक्तिगत रिश्तों से अलग है। वहीं सुनेत्रा पवार पर व्यक्तिगत हमले के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमने अब तक ऐसा कभी नहीं किया है। हम अपनी तरफ से एक असाधारण गरिमामय अभियान पर काम कर रहे हैं। पहले उन्होंने एक भी व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं की और न ही हमने की थी। हमारा बहुत गरिमापूर्ण अभियान था, जो इस बार दूसरी तरफ से नहीं हुआ। हम सदैव मर्यादित रहेंगे क्योंकि हमारी राजनीति मर्यादित और सत्य की है।

बीजेपी के खिलाफ अंडरकरंट

सुप्रिया सुले ने अजीत पवार पर हमला करते हुए कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को देखिए, जिसके खिलाफ वे आए थे, वह सबसे बड़ा मुद्दा था। देखिए वे आज कहां खड़े हैं। भारी प्रतिक्रिया हो रही है। एक अंतर्धारा है, जिसे आप नहीं देख रहे हैं, यह आश्चर्य का विषय है। चुनावी बांड एक अन्य विषय है। हमने पानी की कमी, प्याज की कमी की भविष्यवाणी की थी। मैंने 2023 में इन सबके बारे में बात की थी। आज इस देश में कोई भी चिंताजनक मुद्दा नहीं है, जिसके बारे में मैंने भविष्यवाणी नहीं की हो या प्रशासन को पहले से चेतावनी न दी हो।

महिला आरक्षण बिल पर सवाल

महिलाओं पर ज्यादा फोकस के सवाल पर सुप्रिया सुले ने कहा कि यह सिर्फ उनके बारे में नहीं है। उन्होंने कहा कि वे समानता की तलाश में हैं। उन्होंने महिला आरक्षण बिल को लेकर हमेशा की तरह ऐसी अंधराष्ट्रवादिता की। हमने विशेष रूप से महिला आरक्षण बिल के लिए चार दिवसीय सत्र रखा था। उन्होंने चेक पर हस्ताक्षर किए, उन्होंने उस पर एक नाम लिखा, लेकिन उसे बैंक में रखना भूल गए। हमें इससे क्या मिला, कुछ नहीं। मैं इस देश की 50 प्रतिशत महिला प्रतिनिधियों की मांग कर रही हूं।

दुनिया में कोई भी अजेय नहीं

कांग्रेस से मदद मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम सभी मजबूत हैं। इस दुनिया में कोई भी अजेय नहीं है। सभी गठबंधनों की अपनी चुनौतियां हैं। लेकिन दो महीने पहले भी हम जहां थे, मुझे आज भारत में वह नजर नहीं आता। मुझे लगता है कि विपक्ष एक इकाई के रूप में काफी बेहतर प्रदर्शन करेगा। चुनाव कार्यक्रम पर बात करते हुए सुले ने कहा कि मेरा विश्लेषण यह है कि या तो यह पूरी तरह से उनके पक्ष में जा रहा है या उनके खिलाफ। तमिलनाडु को देखिए। वे जानते हैं कि यह उनके पक्ष में नहीं जा रहा है, इसलिए पूरा राज्य एक ही दिन में निपटा दिया जाता है। जिन राज्यों में उनके सामने चुनौतियां हैं, वहां चरणबद्ध तरीके से चुनाव हो रहे हैं।

ताकत और धन का उपयोग

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर सुप्रिया सुले ने कहा कि अनिल देशमुख, संजय राउत, नवाब मलिक, संजय सिंह और फिर अरविंद केजरीवाल, यह बहुत स्पष्ट है और दुखद भी क्योंकि यह वह भारत नहीं है जिसमें मैं बड़ा हुई हूं। आज लोग फोन पर बात करने से डरते हैं। लोग सरकार के खिलाफ बात करने से डरते हैं। यह बहुत ही प्रतिकूल वातावरण है जो मैंने पहले कभी नहीं देखा। लोग सशंकित और चिंतित हैं क्योंकि इस बार बहुत अधिक ताकत और धन का उपयोग हो रहा है।

मेरी विश्वसनीयता दांव पर

विपक्ष कितनी सीटें जीतेगी पर उन्होंने कहा कि मैं कोई संख्या नहीं बता सकती क्योंकि मैं '400 पार' टाइप की इंसान नहीं हूं। मुझे यह पसंद नहीं है क्योंकि मेरी विश्वसनीयता दांव पर है। मैं बिना सोचे-समझे संख्याओं को आगे बढ़ाना पसंद नहीं करती। लेकिन हम अच्छा करेंगे क्योंकि लोग हमारे साथ हैं। सरकार ने गड़बड़ कर दी है। आपको सच बोलने वाले सांसद चाहिए।

स्पेशल खबर | **131 एससी-एसटी सीटों का पूरा समीकरण**

वंचितों के हाथ में सत्ता की चाबी

लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी सत्ता की हैट्रिक लगाने की कोशिश में है तो इंडिया गठबंधन हरहाल में उसकी राह में बाधा बनने की कवायद में है। ऐसे में दोनों ही दलों की कोशिश वंचितों के सहारे सत्ता की गद्दी को सुरक्षित करने की है। दलित और आदिवासी समुदाय काफी है, जो किसी भी दल के खेल बनाने और बिगाड़ने की ताकत रखते हैं। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही इस बड़े वोटबैंक को अपने पाले में करके सत्ता की सिंहासन पर काबिज होना चाहती है, क्योंकि 26 फीसदी सीटें उनके लिए आरक्षित है। ऐसे में देखना है कि इस बार वंचितों के जरिए कौन अपनी कुर्सी सुरक्षित करता है? दलित और आदिवासी समुदाय पर एक समय तक कांग्रेस की मजबूत पकड़ रही है, लेकिन अब बीजेपी का पूरी तरह से दबदबा कायम है। एससी और एसटी के लिए आरक्षित ज्यादातर सीटों पर बीजेपी ने कब्जा जमाया था। कांग्रेस सामाजिक न्याय के नारे के सहारे दलित और आदिवासी समुदाय के विश्वास को जीतने की कोशिश में है, लेकिन पीएम मोदी के लाभार्थी दांव से अपनी पकड़ को मजबूत बनाए रखने की है। ऐसे में देखना है कि दलित और आदिवासी समुदाय के दिल में कौन जगह बना पाता है?

दलित-आदिवासी सुरक्षित 131 सीटें

देश में कुल 543 लोकसभा सीटें है, जिसमें 131 सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। दलित समुदाय के लिए 84 लोकसभा सीट रिजर्व है जबकि आदिवासी समुदाय के लिए 47 सीटें सुरक्षित हैं। यह सीटें जिन समुदाय के लिए आरक्षित हैं, उसके सिवा कोई दूसरे समुदाय के लोग चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। इसीलए सभी राजनीतिक दल आदिवासी आरक्षित सीट पर आदिवासी समुदाय के प्रत्याशी पर दांव खेलते हैं तो दलित रिजर्व सीट पर सिर्फ दलित जाति के प्रत्याशी उतारे जाते हैं।

आरक्षित सीट के चुनावी नतीजे

2019 के लोकसभा चुनाव आरक्षित सीटों के नतीजे देखें तो बीजेपी ने एकछत्र राज कायम है। दलित समुदाय के लिए आरक्षित 84 सीटों में से बीजेपी ने 46 सीटें जीती थी जबकि कांग्रेस महज पांच सीटें ही हासिल कर सकी थी। इसी तरह आदिवासी समुदाय के लिए आरक्षित 47 लोकसभा सीटों में से बीजेपी ने 31 सीटें जीती थी और कांग्रेस के महज चार सीट पर जीत मिली थी। इसके अलावा बाकी सीटें अन्य क्षेत्रीय दलों ने जीती थी। वहीं, 2014 में दलित सुरक्षित 84 सीटों में से बीजेपी ने 40 सीटें जीती थी तो कांग्रेस को सिर्फ सात सीटें मिली थी। इसी तरह से आदिवासी समुदाय के लिए रिजर्व 47 सीटों में बीजेपी ने 27 पर जीत दर्ज की थी जबकि कांग्रेस सिर्फ 5 सीटें हासिल कर सकी थी।

2024 में एससी-एसटी पर दांव

बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए और कांग्रेस के अगुवाई वाले इंडिया गठबंधन दोनों की कोशिश एससी-एसटी समुदाय के लिए रिजर्व सीटों पर जीत दर्ज करने की है। ऐसे में पीएम मोदी जनकल्याणकारी योजनाओं के जरिए मजबूत पकड़ बनाए रखने की है। पीएम मोदी कई बार कह चुके हैं कि गरीब और वंचितों का विकास ही असल सामाजिक न्याय है। बीजेपी ने अपनी तमाम योजनाओं के जरिए लाभार्थी वोटबैंक तैयार किया है, जिसमें बड़ी हिस्सेदारी आदिवासी और दलित समुदाय के लोगों की है। बीजेपी ने दलित और आदिवासी समुदाय के बीच एक नई लीडरशिप और वोटबैंक तैयार किया है, जिसे हिंदुत्व के छतरी के नीचे मजबूत करने की है। इसके लिए पार्टी प्रतीकों की राजनीति भी करती रही है। मोदी सरकार आने के बाद पहले दलित समुदाय से रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति बनाया तो उसके बाद आदिवासी समाज से आने वाली द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बनी।

आदिवासी और दलित वोटों पर कांग्रेस की नजर

वहीं, कांग्रेस दोबारा से आदिवासी और दलित वोटों पर पकड़ बनाए रखने की कोशिश में है, जिसके लिए घोषणा पत्र में सबसे ज्यादा जगह दी है। कांग्रेस ने दलित चेहरे के तौर पर मल्लिकार्जुन खरगे हैं, जो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं। कर्नाटक और तेलंगाना के विधानसभा चुनाव में खरगे के स्थानीय प्रभाव ने भी एससी मतदाताओं को कांग्रेस की ओर मोड़ने में कामयाब रहे, लेकिन मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में असर नहीं दिखा। इसके बाद भी कांग्रेस दलित और आदिवासी वोटों को अपने साथ जोड़ने के लिए तमाम कवायद कर रही है। 2024 के लोकसभा दलित और आदिवासी समुदाय को जोड़ने की रणनीति साफ दिखाई दे रही है। इन दोनों समुदाय पर अपनी पकड़ मजबूत कर चुकी भाजपा हर हाल में इन्हें थामे रखना चाहती है तो कांग्रेस इन्हें फिर से पाने के लिए परेशान है। वहीं, इन दोनों समुदाय की राजनीति करने वाले क्षेत्रीय दलों के साथ अन्य पार्टियां भी इस वोटबैंक में हिस्सेदारी के लिए हाथ-पैर मारती दिखाई दे रही हैं। बसपा, एलजेपी आरपीएल, झामुमो जैसे दल खालिस अनुसूचित वर्ग की ही राजनीति कर रहे हैं, जिनकी नजर इस वर्ग के वोटबैंक पर है। ऐसे में देखना है कि 2024 में दलित और आदिवासी वोटर किस पर अपना भरोसा जताते हैं?

चुनावी खबर

ओडिशा : रेशम नगरी बरहामपुर में दो दलबदलू नेता होंगे आमने-सामने

ओडिशा की रेशम नगरी बरहामपुर में इस लोकसभा चुनाव के दौरान दो ऐसे नेता आमने-सामने होंगे जो अपनी पुरानी पार्टी छोड़कर किसी और दल में शामिल हो गए हैं। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) ने भृगु बक्शीपात्रा को बरहामपुर सीट से चुनावी मैदान में उतारा है, जो पिछले सप्ताह तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओडिशा इकाई के उपाध्यक्ष थे। भाजपा ने बीजद से निष्कासित प्रदीप पाणिग्रही को बरहामपुर लोकसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाया है। गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र से तीन बार के विधायक पाणिग्रही एक समय मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी सहयोगी थे और बीजद से निष्कासित होने से पहले वह क्षेत्रीय पार्टी के गंजाम जिले के मामलों को भी देखते थे। कांग्रेस ने बरहामपुर लोकसभा क्षेत्र से रश्मि रंजन पटनायक को मैदान में उतारा है। बरहामपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र कभी कांग्रेस का मजबूत गढ़ था और यहां तक कि प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव ने भी 1996 के आम चुनावों में बरहामपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था और जीता था। गंजाम जिला 2009 से बीजद का गढ़ रहा है। बीजद ने 2019 के चुनाव में जिले की 13 विधानसभा सीटों में से 12 पर जीत हासिल की थी। बरहामपुर लोकसभा सीट के लिए लड़ाई मुख्य रूप से बक्शीपात्रा और पाणिग्रही के बीच होगी। हालांकि कांग्रेस उम्मीदवार भी मैदान में हैं।

छत्तीसगढ़ : मोदी को लाठी मारने के बयान के बाद महंत ने गारंटी को बताया फेल

लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी में जुबानी जंग तेज है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलने वाले छत्तीसगढ़ के नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। कांग्रेस नेता चरण दास महंत ने इस बार मोदी की गारंटी पर सवाल खड़ा किया है। महंत ने कहा कि मोदी की गारंटी पर अब किसी को भरोसा नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी पिछले 10 साल से लगातार फेल हो रही है। इसके अलावा आज तक युवाओं को 2 करोड़ नौकरी भी नहीं मिली है और ना ही 15 लाख रुपए किसी के खाते में अबतक पहुंचे हैं। महंत ने कहा कि जिसकी गारंटी फेल हो जाती है उसे छत्तीसगढ़ में लोग डिफाल्टर समझते हैं।

उत्तर प्रदेश : 80 करोड़ जनता फ्री राशन पर चल रही है तो दस साल में काम क्या किया?

बसपा प्रमुख मायावती के उत्तराधिकारी घोषित हो चुके उनके भतीजे आकाश आनंद ने सोमवार को यूपी की योगी और केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमले किए। आकाश ने पूछा कि 80 करोड़ जनता फ्री राशन पर चल रही है तो दस साल में काम क्या किया? अगर लोगों को उनके पैरों पर खड़ा नहीं कर सके तो आप लोगों ने गद्दारी की है। आपसे बड़ा देशद्रोही कोई नहीं है। आप लोग न रोजगार दे पाए, न शिक्षा दे पाए। किसी बात का अखंड भारत की बात करते हैं। अगर गुजरात मॉडल यही है तो हमें गुजरात का मॉडल नहीं चाहिए।

पश्चिम बंगाल : दक्षिण मालदा लोकसभा सीट

राम-नाम जप रहे हैं ईशा खान, 'गुलाबी गैंग' के सहारे 'निर्भया दीदी'

बंगाल में दक्षिण मालदा सीट पर लोकसभा चुनाव प्रचार ने जोर पकड़ लिया है। उम्मीदवार मतदाताओं को रिझाने के लिए मंदिर और दरगाह तक के चक्कर काट रहे हैं। आलम यह है कि यहां से कांग्रेस उम्मीदवार ईशा खान चौधरी राम-नाम जप रहे हैं। कुछ दिनों पहले इसी प्रकार का नजारा देखने को मिला। कांग्रेस उम्मीदवार ईशा खान चौधरी चुनाव प्रचार के दौरान यहां पाकुड़तला स्थित राम मंदिर पहुंच गए। उन्होंने माथे पर तिलक भी लगाया। पूछने पर उन्होंने मीडिया से कहा कि भगवान राम किसी की जागीर नहीं हैं। वह बचपन से ही धर्मनिरपेक्ष सोच में पले-बढ़े हैं। जिस गनी खान चौधरी से उन्होंने राजनीति सीखी वह कोई भी शुभ कार्य से पहले मनस्कमना मंदिर में पूजा करते थे। वह भी चुनाव में नामांकन दाखिल करने से पहले पूजा करते हैं और दरगाह में चादर भी चढ़ाते हैं।

कांग्रेस का रहा गढ़

दक्षिण मालदा सीट कांग्रेस का गढ़ रहा है। अधिकांश मौकों पर यहां से कांग्रेस की ही जीत हुई है। इस बार मुकाबला दिलचस्प है। सभी उम्मीदवारों ने यहां पूरी ताकत झोंक दी है। भीषण गर्मी में भी सभी उम्मीदवार चुनाव प्रचार में किसी प्रकार का कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहते।

त्रिकोणीय मुकाबला

जहां वोट मिलने की उम्मीद है वहां जा रहे हैं और जहां वोट मिलने की उम्मीद कम है वहां भी जा रहे हैं । कोई किसी के लिए एक इंच भी जमीन छोड़ने को तैयार नहीं है। यहां मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच माना जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार शाहनवाज अली रैहान ने मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है। यहां वाम मोर्चा और कांग्रेस के बीच गठबंधन है। मालदा वह जिला है जहां अबू बरकत अताउर गनी खान चौधरी यानी एबीए गनी खान चौधरी की विरासत की चलती है। पहले मालदा ही लोकसभा सीट थी, बाद में इसको दो भागों उत्तर मालदा और दक्षिण मालदा में बांट दिया गया है।

भाजपा से श्रीरूपा मित्रा मैदान में

भाजपा ने इंगलिश बाजार से विधायक श्रीरूपा मित्रा चौधरी को मैदान में उतारा है। वह निर्भया दीदी के नाम से मशहूर हैं । उनको नारी शक्ति का प्रतीक बताया जाता है। उन्होंने महिलाओं पर अत्याचार रोकने के लिए गुलाबी गैंग का गठन किया था। उनके समर्थन में यही गुलाबी गैंग पूरी तैयारी के साथ मैदान में हैं। वह स्वयं तो गुलाबी साड़ी पहनकर चुनाव प्रचार कर ही रही हैं, साथ ही उनके साथ चलने वाली महिलाएं भी गुलाबी साड़ी में ही दिखती हैं। उन्होंने तो अपनी गाड़ी का रंग भी गुलाबी करवा दिया है। श्रीरूपा ने कहा कि गुलाबी नारी शक्ति का रंग है। करीब तीन दशक पहले हमने महिलाओं के साथ गुलाबी गैंग का गठन किया था। इस गैंग के सदस्यों ने घर-घर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा को रोका।

वर्ष 2019 में किसी तरह से जीती थी कांग्रेस

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भी यहां कुछ नहीं बदला। उस समय पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लहर चल रही थी। उसके बाद भी कांग्रेस के आबू हाशेम खान चौधरी यहां से बाजी मार ले गए। हां हुआ यह कि जो भाजपा यहां कभी बड़ी राजनीतिक ताकत नहीं मानी जाती थी, वही भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लहर पर सवार होकर बाबू हाशेम खान चौधरी को मात देने तक पहुंच गई थी। तब आबू हाशेम खान चौधरी करीब 8000 वोट से ही चुनाव जीत सके थे। उनको 4,44,270 वोट मिले थे। भाजपा की श्रीरूपा मित्र चौधरी 4,36,048 वोट लेकर दूसरे स्थान पर रही थीं। कांग्रेस को 34.73 तो भाजपा को 34.09 प्रतिशत वोट मिले थे। तृणमूल कांग्रेस की झोली इस बार भी खाली रही। मोहम्मद मुअज्जम हुसैन फिर से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर मैदान में उतरे लेकिन 3,51,353 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे थे।

सात विधानसभा सीट में से 6 पर है तृणमूल का कब्जा

मालदा दक्षिण लोकसभा सीट का गठन 7 विधानसभा सीट को लेकर हुआ है। इनमें से पांच विधानसभा सीट मालदा जिले में तो दो मुर्शिदाबाद जिले में हैं। मानिकचक, इंग्लिश बाजार,मोथाबाड़ी, सुजापुर तथा वैष्णवनगर मालदा जिले में है। फरक्का और शमशेरगंज मुर्शिदाबाद जिले में है। वर्तमान में इन सातों विधानसभा सीटों में से 6 सीटों पर तृणमूल कांग्रेस का कब्जा है। इंग्लिश बाजार विधानसभा सीट से भाजपा की श्रीरूपा मित्रा चौधरी चुनाव जीती हैं। वह इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार हैं। अब देखना है लोकसभा चुनाव में वह क्या कमाल करतीं हैं।

गनी खान चौधरी का नाम अब भी चलता है

मालदा के पितामह माने जाने वाले अबू बरकत अताउर गनी खान चौधरी एक, दो, तीन नहीं बल्कि लगातार आठ बार मालदा के सांसद निर्वाचित हुए। उनका नाम अब भी यहां चलता है। इसी कारण से इस सीट को कांग्रेस का गढ़ कहा जाता है। वह कांग्रेस के दिग्गज नेता थे जो 1980 से 2006 तक यानी सातवीं से 14वीं लोकसभा तक लगातार मालदा के सांसद निर्वाचित होते रहे। उस समय मालदा उत्तर और मालदा दक्षिण दो अलग-अलग लोकसभा सीट नहीं हुआ करती थी। एक ही मालदा लोकसभा सीट हुआ करती थी। उस मालदा सीट से गनी खान चौधरी 1980, 1984, 1989, 1991, 1996, 1998, 1999 व 2004 में लगातार सांसद निर्वाचित होते रहे।

कभी नहीं हारे

वह 14 अप्रैल 2006 को 78 वर्ष की उम्र में अपने निधन तक मालदा के सांसद रहे। अपनी इस सीट से उन्हें कभी हार का सामना नहीं करना पड़ा। वह केवल सांसद ही नहीं बल्कि भारत सरकार में सांख्यिकी और योजना कार्यान्वयन मंत्री, रेल मंत्री, जल शक्ति एवं नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, और कोयला मंत्री भी रहे। वह पांच प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, पीवी नरसिम्हा राव, अटल बिहारी वाजपेयी एवं मनमोहन सिंह के कार्यकाल में विभिन्न पदों पर संसद में रहे।

राम मंदिर के निर्माण से इंडी गठबंधन को नफरत : नरेंद्र मोदी

कांग्रेस व सपा के राज में गन्ना किसानों को पैसे के लिए तरसाया जाता था

एजेंसी । पीलीभीत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पीलीभीत से भाजपा उम्मीदवार जितिन प्रसाद के समर्थन में राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित किया। जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सपा कांग्रेस के इंडी गठबंधन को भारत के विरासत की परवाह नहीं है। राम मंदिर के निर्माण से इंडी गठबंधन को पहले भी नफरत थी और आज भी नफरत है। भाजपा के स्व. कल्याण सिंह ने राम मंदिर के लिए सत्ता त्यागी, जबकि इंडी गठबंधन ने राम मंदिर का निमंत्रण ठुकरा कर अपमान किया है।

मोदी की गारंटी

उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी याने गारंटी पूरा होने की गारंटी। इंडी गठबंधन ने शक्ति को खत्म करने की सौगंध खाई है। जिस शक्ति की आज देशभर में पूजा हो रही है उस शक्ति का कांग्रेस ने घोर अपमान किया है। शक्ति को कोई उपासक इंडी गठबंधन को इस अपमान के लिए माफ नहीं करेगा।

गन्ना किसानों को पैसे के लिए तरसाया जाता था

कहा कि कांग्रेस व सपा के राज में गन्ना किसानों को अपने ही पैसे के लिए तरसाया जाता था। भाजपा सरकार में गन्ना किसानों की परेशानी कम करने के लिए पूरी ताकत से काम किया और योगी जी तो पहले दिन से गन्ना किसानों की परेशानी दूर करने के लिए कई कदम उठाये। यह काम लगातार किया जा रहा है। सपा बसपा कांग्रेस के 14 साल में जितने रूपये गन्ना किसानों को मिले थे, उससे ज्यादा पैसे योगी सरकार ने गन्ना किसानों को दे दिये हैं।

विकसित भारत का संकल्प

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम लोग विकसित भारत के संकल्प को लेकर काम कर रहे हैं। भारत के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। जनता से सवालिया लहजे में मोदी ने पूछा दुनिया में भारत तेजी से बढ़ती आर्थिक ताकत बना तो आपको गर्व हुआ कि नहीं? हमारे चन्द्रयान ने जब चाँद पर तिरंगा फहराया,भारत में हुए भव्य जी—20 सम्मेलन की पूरी दुनिया में वाहवाही हुई आपको गर्व हुआ कि नहीं?

मजबूत निर्णायक व सशक्त सरकार

नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोरोना संकट में भारत ने पूरी दुनिया में दवाइयां भेजी व वैक्सीन भेजी। दुनिया में कहीं भी युद्ध का संकट आया हो। हम एक-एक भारतीय को सुरक्षित वापस लाये। देश जब मजबूत होता है तो दुनिया उसकी सुनती है। अब आप बताओ दुनिया में भारत का डंका बज रहा है कि नहीं। यह सब मोदी ने नहीं आपके एक वोट ने किया है। यह आपके वोट की ताकत है। आपके एक वोट से मजबूत निर्णायक व सशक्त सरकार बनी।

हौंसले बुलंद होते हैं तो नतीजे भी सही मिलते हैं

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब नियत सही होती है, हौंसले बुलंद होते हैं तो नतीजे भी सही मिलते हैं। चारों तरफ विकसित भारत का निर्माण होते हम देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांसुरी की सुरीली आवाज है तो दूसरी ओर टाइगर की दहाड़ भी है। यहां के नौजवानों के लिए रोजगार व स्वरोजगार के अवसर बन रहे हैं। पीलीभीत का पूरा क्षेत्र खेती किसानी के लिए जाना जाता है। 10 वर्ष पहले तक किसानों की क्या स्थिति थी। यूरिया की कालाबाजारी होती थी। किसानों को लाठियां खानी पड़ती थी। मोदी ने कहा पीलीभीत में आशीर्वाद देने आए परिवारजनों को आश्वस्त करता हूं कि आपके जीवन को आसान बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। मेरे जीवन का हर पल, हर क्षण जनसेवा और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित है।

इंस्टालेशन के बाद अंतरराष्ट्रीय मानक का हो जाएगा कुशीनगर एयरपोर्ट

- रूस ने भेजी आईएलएस की आपूर्ति
- निर्बाध उड़ान की बाधा समाप्त

एजेंसी । कुशीनगर

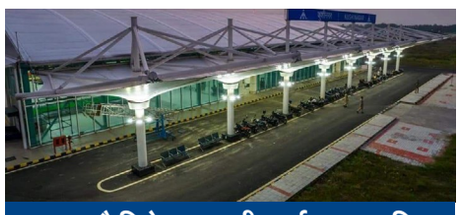

फ्लाइट कैलिब्रेशन का भी कार्य पूरा कर लिया

प्रतिकूल मौसम में भी विमानों के निर्बाध एवं सुरक्षित उड़ान के लिए अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लगने वाले आईएलएस(इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम) की मशीनरी मंगलवार को सुबह रूस से कुशीनगर पहुंच गई। एयरपोर्ट अधिकारियों की देख रहे में पार्ट्स को सुरक्षित तरीके से अनलोडिंग कराई गई। आई एल एस को इंस्टाल करने के लिए विशेषज्ञ की टीम भी आ गई है। इंस्टाल करने में चार माह का समय लगने की बात कही जा रही है। इंस्टॉलेशन के बाद एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय मानक पूरा कर लेगा। जिसके बाद नियमित घरेलू उड़ान के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय उड़ान में कोई बाधा शेष नहीं रह जायेगी और ग्रेडिंग अपग्रेड होने से एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर आ जाएगा। एयरपोर्ट पर रात और कोहरे में भी विमान लैंड और टेक आफ कर सकेंगे। दरअसल एयरपोर्ट पर ग्राउंड नेवीगेशनल सिस्टम आईएलएस और डीबीओआर (डापलर वेरी ओमनी रेंज) लगा न होने से नियमित उड़ान से घरेलू विमानन कंपनियां रुचि नहीं ले रही थी। आईएलएस विमानों के आटो मोड में लैंडिंग और टेक आफ कराता है तो दूसरी तरफ डीबीओआर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) और पायलट को टेकऑफ से लैंडिंग तक कम्युनिकेशन बनाए रखता है। डीबीओआर इंस्टाल होने के बाद मार्च माह में फ्लाइट इंस्पेक्शन यूनिट ने फ्लाइट कैलिब्रेशन का भी कार्य पूरा कर लिया। अप्रैल 23 में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने एयरपोर्ट पर आईएलएस व डीबीओआर की स्थापना के लिए 5.75 करोड़ की निविदा की थी। चयनित कम्पनी को कार्य पूर्ण करने के लिए चार माह का समय दिया गया है। किंतु निर्यात के लिए हो रही अंतर-राष्ट्रीय औपचारिकता में समय लगा। जिससे सिस्टम की आपूर्ति देरी से हुई।

उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर हिन्दू नववर्ष का स्वागत किया

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कुड़िया घाट पर मंगलवार को नव संवत्सर की प्रथम बेला पर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर भारतीय नववर्ष का स्वागत किया गया। इससे पूर्व कुड़िया घाट पर संस्कार भारती की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। भारतीय नववर्ष की बेला पर राजधानी के लगभग सभी प्रमुख चौराहों को भगवा रंग से सजाया गया है।

नवरात्र के पहले दिन देवी मंदिरों में भक्तों की उमड़ी भीड़

बांदा। चैत्र नवरात्र के पहले दिन देवी मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। आदि शक्ति जगत जननी मां जगदंबे के नौ रुपों का दर्शन करने के लिए आस्थावान भोर से ही मंदिरों पर डटे रहे। मां दुर्गे के नौ रूपों में से पहले रूप शैलपुत्री के दर्शन के लिए भक्तों में उत्साह रहा। देवी भक्तों ने जलाभिषेक और पूजन-अर्चन कर माथा टेका और मन्नते मानीं। अगरबत्ती और धूप की भीनि-भीनि खुशबू से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

सारा दिन मंदिरों में पूजन-अर्चन का दौर चलता रहा

मंदिरों में मत्था टेकने के बाद लोगों ने आदि शक्ति जगत जननी से मंगल कामना की। देवी के जयकारे से पूरा इलाका गुंजायमान हो गया। देवी शक्ति पीठों में भोर से ही देवी भक्त जलाभिषेक और पूजन-अर्चन के लिए उमड़ पड़े। श्रद्धालुओं ने देवी मां को पान-सुपाड़ी, फल-फूल चूनर आदि चढ़ाईं। इसके बाद पूजन-अर्चन कर आरती उतारी व माथा टेका और मन्नते मानीं। शहर के महेश्वरी देवी मंदिर भक्तों ने पूजन-अर्चन किया। काली देवी मंदिर में पूजन-अर्चन करने वाले भक्तों का तांता लगा रहा। सिंहवाहिनी व मरहीमाता मंदिर में कन्याभोज और भंडारे का कार्यक्रम शुरू किया गया। सारा दिन मंदिरों में पूजन-अर्चन का दौर चलता रहा।

कन्या भोज और भंडारों का आयोजन शुरू

नवरात्र पर्व शुरू होते ही देवी मंदिरों में हवन-पूजन के साथ ही पुरोहितों ने दुर्गा सप्तशती का पाठ शुरू कर दिया है। यजमानों की शांति के लिए यह अनुष्ठान नौ दिनों तक चलेंगे। तमाम श्रद्धालुओं ने घरों में कलश स्थापित कर व्रत रख नवदुर्गा पाठ शुरू किया। चैत्र नवरात्रि के आज पहले दिन मंगलवार को महेश्वरी देवी, काली देवी, सिंहवाहिनी, कालका देवी, मरहीमाता, महामाई, चौसठ जोगिनी, मंदिरों में हवन पूजन के साथ देवी के जयकारे गूंजते रहे। तमाम यजमानों ने मंदिरों में पुरोहितों को संकल्प देकर दुर्गा सप्तशती और देवी पुराण कथा की शुरुआत कराई।

राजस्थान

गेमिंग जोन हॉपअप का हुआ उद्घाटन

जयपुर। फोर्ब्स इंडिया मैगजीन की ओर से रिकॉग्नाइज्ड हॉपअप सर्वश्रेष्ठ गेमिंग जोन का उद्घाटन एंटरटेनमेंट पैराडाइज में किया गया। इस अवसर पर निर्देशकों इंदर पुण्यानी, निखिल नागपाल, विकास दंग और रूपेश लाहोटी ने कहा कि चंडीगढ़ और मुंबई के बाद वह गुलाबी शहर जयपुर में अपने नवीनतम एंटरटेनमेंट जोन की घोषणा करते हुए बहुत उत्साहित हैं। निदेशकों ने आगे बताया कि साल के अंत तक इस आर्केड को अमृतसर, बरनाला, बारूच, राजकोट, बैंगलोर और गुड़गांव जैसे दस शहरों में फैलाने की उनकी योजना है। होपअप में बॉलिंग, गो कार्टिंग आर्केड और वीआर गेम्स के साथ-साथ आम जनता के एंटरटेनमेंट के लिए एक समर्पित किड्स जोन और फूड एरिया भी तैयार किया गया है। जन्मदिन, कॉर्पोरेट प्रोग्राम्स, किटी पार्टीज और स्कूल पिकनिक के लिए अनुकूलित पैकेज के साथ, हॉपअप सभी उम्र के लोगों के लिए अनफॉरगेटबल मेमोरीज का वादा करता है।

मॉर्निंग वॉक पर अशोक उद्यान पहुंचे शेखावत

जोधपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मंगलवार सुबह अशोक उद्यान से जनसंपर्क आरंभ किया। वे मॉर्निंग वॉक पर गणमान्य लोगों और मित्रों से मिले। सभी को नवरात्रि और नववर्ष विक्रम संवत 2081 की शुभकामनाएं दीं। केन्द्रीय मंत्री का पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। दकेन्द्रीय मंत्री ने मोहिनी योग कला संस्थान के सदस्यों के साथ योग प्राणायाम किया। उन्होंने प्राकृतिक ज्यूस का आनंद लिया। शेखावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना है और शीघ्र तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है।

पूर्व डीजीपी बीएल सोनी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति और रीति से प्रभावित होकर भाजपा पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों की सूची लगातार बढ़ रही हैं। भाजपा में विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के साथ ही प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी भी सदस्यत ग्रहण कर रहे है। मंगलवार को भाजपा कार्यालय में ज्वाइंनिंग कमेटी के संयोजक अरुण चतुर्वेदी की उपस्थिति में एसीबी के पूर्व डीजीपी बीएल सोनी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया ने बीएल सोनी को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण करवाई। भाजपा ज्वाइंनिंग कमेटी के संयोजक अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 2047 के विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है। मोदी के 10 साल के कार्यकाल में योजनाएं धरातल पर पहुंची और विकास के काम तेजी से हुए। ऐसे में विश्व की सबसे बड़ी पार्टी से जुड़ने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ज्वाइंनिंग की इसी कड़ी ने पुलिस प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी बीएल सोनी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 को आएंगे बिहार

एजेंसी । पटना

लोकसभा चुनाव में 400 के पार सीट हासिल करने के लिए एनडीए और भाजपा ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ताबड़तोड़ जनसभाएं हो रही है। जमुई और नवादा में चुनावी जनसभा करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब गया आने वाले हैं। पंद्रह दिनों के अंदर पीएम मोदी का यह तीसरा चुनावी दौरा होगा। पीएम मोदी आगामी 16 अप्रैल को गया पहुंचेंगे, जहां एनडीए के साझा उम्मीदवार जीतन राम मांझी के पक्ष में चुनावी सभा कर लोगों से एनडीए के पक्ष में वोट करने की अपील करेंगे। खुद जीतन राम मांझी ने इस बात का ऐलान किया है। गया से एनडीए के उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कुशवाहा समाज की हुई बैठक में खुले मंच से कहा कि आगामी 16 अप्रैल को प्रधानमंत्री गया आएंगे।

साथी मजदूर की ईंट से कुचलकर हत्या

एजेंसी । गाजियाबाद

लिंक रोड थाना क्षेत्र के साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट-फोर की एक निर्माणाधीन फैक्ट्री में मजदूरी के रुपयों को लेकर हुए विवाद में एक मजदूर ने दूसरे मजदूर की ईंटों से कुचलकर हत्या कर दी। मजदूर का शव मंगलवार को फैक्ट्री की छत पर पड़ा मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

एसीपी साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय ने बताया कि मंगलवार को पुलिस को सूचना मिली कि साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट-फोर में एक दिन बाद फैक्ट्री की छत पर मजदूर का शव पड़ा है। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई।

साथी को लिया हिरासत में

उसके चेहरे एवं शरीर के अन्य भाग को ईंटों से कुचला गया। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की। फैक्ट्री ने एक अन्य मजदूरों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि रात्रि में मजदूर निसार और तनवीर के बीच मजदूरी के पैसे को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद सुबह जब उसने ऊपर जाकर देखा तो तनवीर का शव पड़ा था। पुलिस ने तनवीर के साथी निसार को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म स्वीकार किया।

व्यापार जगत

निफ्टी और सेंसेक्स ने लगातार दूसरे दिन बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

- शेयर बाजार ने वर्ष प्रतिपदा का किया जोरदार स्वागत
- 75 हजार के ऊपर खुला सेंसेक्स

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार ने विक्रम संवत 2,081 का जोरदार स्वागत किया है। आज के कारोबार की शुरुआत ऑल टाइम हाई के नए रिकॉर्ड के साथ हुई। सेंसेक्स पहली बार 75 हजार अंक के ऊपर पहुंच कर खुला। इसी तरह निफ्टी ने भी पहली बार 22,750 अंक के ऊपर कारोबार की शुरुआत की। हालांकि बाजार खुलने के बाद मुनाफावसूली के दबाव की वजह से इन दोनों सूचकांक में एक बार बड़ी गिरावट भी आई। इसके बावजूद दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बने रहे। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत और निफ्टी 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरुआती पहले घंटे का कारोबार

शुरुआती पहले घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंफोसिस, टाटा स्टील, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एलटी माइंडट्री और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 1.96 प्रतिशत से लेकर 1.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर बीपीसीएल, आयशर मोटर्स, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एनटीपीसी और कोल इंडिया के शेयर 0.80 प्रतिशत से लेकर 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

स्टॉक मार्केट में शेयरों की एक्टिव ट्रेडिंग

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,032 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,337 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 695 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर, 5 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 37 शेयर हरे निशान में और 13 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड

बीएसई का सेंसेक्स आज ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 381.78 अंक उछल कर 75,124.28 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही मुनाफावसूली के चक्कर में ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से 300 अंक से ज्यादा फिसल कर 74,792.77 अंक के स्तर पर पहुंच गया। लेकिन इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई।

ऑटो चालकों के लिए ओला-उबर की तरफ से सब्सक्रिप्शन बेस्ड सर्विस

एजेंसी । नई दिल्ली

कैब सर्विस देने वाली कंपनीओलाऔर उबर ने हर राइड पर कमीशन लेने के बजाय ऑटो-रिक्शा चालकों के लिए सब्सक्रिप्शन आधारित स्कीम पेश की है। ओला ने दिल्ली-NCR, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद सहित कुछ बड़े शहरों में इस मॉडल की शुरुआत की है, जबकि उबर ने चेन्नई, कोच्चि और विशाखापत्तनम सहित 6 शहरों में इसे लॉन्च किया है। इस पहल से ऑटो चालकों को फायदा मिलेगा। इसकी शुरुआत नम्मा यात्री औररैपिडोपहले ही कर चुकी हैं।

किराया सीधा ड्राइवर की जेब में जाएगा

इस नए मॉडल के तहत अब दोनों ऑटो सर्विस एग्रीगेटर्स हर राइड पर कमशीन लेने की बजाय ऑटो ड्राइवर से प्रति दिन या सप्ताह का निर्धारित शुल्क लेगी। इससे ड्राइवर को प्लेटफॉर्म फीस के अलावा दूसरी कोई और फीस नहीं देनी होगी। इसमें ग्राहक की ओर से बुक कराए गए ऑटो का किराया सीधा ड्राइवर की जेब में जाएगा। इस फैसले से ओला और उबर को सर्विस पर लगने वाली 5 फीसदी GST में फायदा मिल सकता है। ओला और उबर कई शहरों में कमीशन-आधारित मॉडल पर सर्विस प्रदान कर रही हैं। इसमें प्लेटफॉर्म प्रत्येक सवारी के लिए किराए का एक हिस्सा कमीशन या बुकिंग शुल्क के रूप में लेती है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड के शेयर में 8 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

एजेंसी । नई दिल्ली

मार्च तिमाही के साथ-साथ FY24 के लिए बुकिंग में उल्लेखनीय वृद्धि की घोषणा के बाद गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड के शेयर 8 प्रतिशत बढ़कर 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 2,791.80 रुपये पर पहुंच गए। दोपहर 1.28 बजे, गोदरेज प्रॉपर्टीज लगातार चौथे दिन बढ़त के साथ लगभग 5 प्रतिशत बढ़कर 2,710 रुपये पर कारोबार कर रही थी। पिछले छह महीनों में, स्टॉक में इस साल अब तक 66 प्रतिशत और 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी ने मार्च तिमाही में बुकिंग में साल-दर-साल 135 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो कि 9,500 करोड़ रुपये थी, जो भारत में किसी भी सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध रियल एस्टेट डेवलपर द्वारा अब तक की सबसे अधिक तिमाही बिक्री है। यह वृद्धि 8 मिलियन वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में फैले 5,331 घरों की बिक्री से प्रेरित हुई। यह वृद्धि 8 मिलियन वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में फैले 5,331 घरों की बिक्री से हुई। FY24 की बुकिंग पिछले वर्ष की तुलना में 84 प्रतिशत बढ़कर 22,500 करोड़ रुपये से अधिक हो गई।

72 हजार के करीब पहुंचा सोने का भाव

- चांदी की भी कीमत बढ़ी

एजेंसी । नई दिल्ली

अगले एक सप्ताह में भारत में शादियों का सीजन शुरू होने वाला है. ऐसे में सोने की कीमतों में लगी आग आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहा है. आज भी सोने की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है. सुबह 11 बजे MCX पर पांच जून को डिलिवर होने वाले दस ग्राम सोने की कीमत 314 रुपये बढ़कर 71226 रुपये हो गयी है। जबकि, पांच अगस्त को डिलिवर होने वाले दस ग्राम सोने की कीमत 294 रुपये बढ़कर 71533 रुपये के पार पहुंच गया है. मजबूत हाजिर मांग के बीच सटोरियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली किये जाने से वायदा कारोबार में मंगलवार को तेजी देखने को मिली है।

टाटा ने 6 इंडेक्स फंड को किया लॉन्च

एजेंसी । नई दिल्ली

टाटा म्यूचल फंडने एक साथ छह इंडेक्स फंड लॉन्च किए हैं। इससे टाटा म्यूचुअल फंड के पैसिव फंडों की संख्या बढ़ गई है। इन 6 फंडों का एनएफओ 22 अप्रैल तक खुला रहेगा। NFO के दौरान न्यूनतम इनवेस्टमेंट 5,000 रुपये है। इन छह फंडों में तीन ऐसे हैं, जो म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में पहली बार लॉन्च किए गए हैं। टाटा एएमसी ने निफ्टी इंडाइसेज के साथ मिलकर नए फंडों के लिए बेंचमार्क बनाए हैं। निफ्टी इंडाइसेज NSE की सब्सिडियरी है। यह इंडेक्स प्रोवाइडर है।

पहली बार लॉन्च हुए ये नए फंड

टाटा एएमसी के छह नए फंडों में जो पहली बार इंडस्ट्री में लॉन्च हुए हैं, उनमें टाटा मिडस्मॉल हेल्थकेयर इंडेक्स फंड, टाटा निफ्टी 500 मल्टीकैप इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 50:30:20 इंडेक्स फंड और टाटा निफ्टी500 मल्टीकैप इंफ्रास्ट्रक्चर 50:30:20 इंडेक्स फंड शामिल हैं। टाटा एसेट मैनेजमेंट में इंस्टीट्यूशनल क्लाइंट के हेड आनंद वरदराजन ने कहा, रये फंड लॉन्ग टर्म अपॉर्चुनिटीज ऑफर करते हैं। उदाहरण के लिए रियल एस्टेट में एक दशक के बाद रौनक लौटी है।

ऋषभ पंत का टी-20 विश्व कप 2024 में चुना जाना लगभग तय

एजेंसी । मुंबई

इस साल टी-20 विश्व कप खेला जाना है, जिससे पहले भारतीय टीम प्रबंधन सही संयोजन की तलाश करेगी। इस बीच खबर ये है कि ऋषभ पंत का टी-20 विश्व कप की टीम में चुने जाने की संभावना है। बता दें कि पंत इस समय इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2024 में दिल्ली कैपिटल्स (DC) की कप्तानी कर रहे हैं और उनकी फिटनेस भी अच्छी नजर आई है।

भारतीय टीम में वापसी के लिए तैयार हैं पंत: रिपोर्ट

भारतीय टीम प्रबंधन को ये विश्वास है कि पंत अब एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं और उनके मौजूदा IPL सीजन में प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में चुने जाने की प्रबल संभावना है। IPL 2024 में उन्होंने 5 मैचों में 30.60 की औसत और 154.55 की स्ट्राइक रेट के साथ 153 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 2 अर्धशतक लगाए हैं।

नवंबर 2022 में पंत ने खेला था अपना पिछला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच

30 दिसंबर, 2022 को पंत सड़क दुर्घटना में बेहद गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद से ही वह क्रिकेट से दूर थे और उन्होंने IPL 2024 में वापसी की थी। वह चोट के चलते विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) 2021-23 के फाइनल, IPL 2023, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी, एशिया कप और भारत की मेजबानी में आयोजित वनडे विश्व कप जैसे बड़े ICC टूर्नामेंट तक नहीं खेले पाए थे। उन्होंने नवंबर 2022 में अपना आखिरी टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था।

गुजरात-राजस्थान के बीच रोमांचक मुकाबला

एजेंसी । जयपुर

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2024 का 24वां मुकाबला 10 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स (RR) और गुजरात टाइटंस (GT) के बीच खेला जाएगा। RR ने इस सीजन अब तक 4 मुकाबले खेले हैं। उन्हें सभी मुकाबले में जीत मिली है और वह अंक तालिका में पहले स्थान पर हैं। GT ने अब तक 5 मुकाबले खेले हैं। 2 मैच में उन्हें जीत और 3 मुकाबलों में टीम को हार मिली है।

RR के खिलाफ GT का पलड़ा रहा है भारी

GT और RR के बीच अब तक कुल 5 मुकाबले खेले गए हैं। 4 मुकाबलों में GT को जीत मिली है और सिर्फ 1 मैच RR ने अपने नाम किया है। IPL 2023 में दोनों के बीच 2 मुकाबले खेले गए थे। एक मुकाबला RR ने 3 विकेट से अपने नाम किया था और एक मैच GT ने 9 विकेट से जीता था। साल 2022 में 3 मुकाबले खेले गए थे और सभी मैच GT ने अपने नाम किए थे।

इस प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकती है GT की टीम

GT ने पिछले 2 मैच में केन विलियमसन को मौका दिया, लेकिन वह कुछ खास नहीं कर पाए। ऐसे में RR के खिलाफ उनका प्लेइंग इलेवन में खेलना थोड़ा मुश्किल लग रहा है। डेविड मिलर की वापसी तय मानी जा रही है। विजय शंकर और अजमतुल्लाह उमरजई को मध्यक्रम में अच्छा करना होगा।

संभावित एकादश: रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), शुभमन गिल (कप्तान), अजमतुल्लाह उमरजई, डेविड मिलर, विजय शंकर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, उमेश यादव, नूर अहमद, मोहित शर्मा और दर्शन नालकंडे।

इस संयोजन के साथ नजर आ सकती है RR की टीम

RR इस सीजन कमाल के फॉर्म में चल रही है और अब तक एक भी मुकाबले नहीं हारे हैं। ऐसे में वह प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं करना चाहेगी। यशस्वी जायसवाल अपना खोया हुआ फॉर्म प्राप्त करना चाहेंगे। अभी तक इस सीजन वह कुछ कमाल नहीं कर पाए हैं।

संभावित एकादश: यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर, संजू सैमसन (कप्तान और विकेटकीपर), रियान पराग, ध्रुव जुरेल, शिमरॉन हेटमायर, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, आवेश खान, नंद्रे बर्गर और युजवेंद्र चहल।

ये हो सकते हैं इम्पैक्ट सब्स प्लेयर

GT- साई सुदर्शन, अभिनव मनोहर, केन विलियमसन, जोशुआ लिटिल और साई किशोर। RR- रोवमैन पॉवेल, तनुश कोटियन, कुलदीप सेन, शुभम दुबे और संदीप शर्मा।

इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

यशस्वी ने पिछले 10 मैच में 177.33 की स्ट्राइक रेट से 360 रन और सैमसन ने पिछले 10 मैच में 153.36 की स्ट्राइक रेट से 342 रन बनाए हैं। शुभमन ने पिछले 10 मैच में 169.88 की स्ट्राइक रेट से 598 रन बनाए हैं। सुदर्शन के नाम पिछले 8 मैच में 143.89 की स्ट्राइक रेट से 377 रन है। चहल ने पिछले 10 मैच में 17 विकेट और मोहित के नाम पिछले 10 मैच में 21 विकेट है।

मुंबई के मैदानों से

उल्हास शिर्के चैंपियन

मुंबई। पूर्व आरबीआई और आईडीबीआई टेबल टेनिस खिलाड़ी उल्हास शिर्के ने फाइनल में दिल्ली के सुरेश कुमार को 3-0 से पराजित करके हैदराबाद में संपन्न हुई 30वीं नेशनल मास्टर्स टेबल टेनिस चैंपियनशिप में पुरुष एकल 70+ वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। एकल वर्ग में पहला स्थान प्राप्त करने के अलावा योगेश देसाई के साथ मिलकर युगल वर्ग में भी बाजी मारी। मुंबई की ओर से महिलाओं के वर्ग में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया गया, मुंबई की मूनमून मुखर्जी ने पश्चिम बंगाल की रजनी गुप्ता को 3-1 से मात दी महिलाओं के 50 + वर्ग में अव्वल रहीं।

एमसीसी ब्लैक तीन विकेट से विजयी

मुंबई। मुंबई क्रिकेट क्लब, ब्लैक की टीम ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए ज्वाला स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित एमसीसी टैलेन्ट सर्च बॉयज अंडर-14 वर्ग के मैच में बी 4 स्पोर्ट्स क्लब को मैच के दूसरे दिन तीन विकेट से पराजित किया। बी4 स्पोर्टस क्लब के पहली पारी के स्कोर 133 रनों के मुकाबले 128 रनों पर आउट होने के बाद 5 रनों से पिछड़ने के बाद जीत के लिए मिले 110 रनों के लक्ष्य को मुंबई क्रिकेट क्लब ने सात विकेट गवांकर मैच को जीत लिया।

तेज गेंदबाज मयंक अगले 2 मैचों से बाहर

एजेंसी । लखनऊ

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव, जो अपने पहले 2 मैच में प्लेयर ऑफ द मैच थे, वह आने वाले 2 मुकाबलों में टीम का हिस्सा नहीं होंगे। रविवार को गुजरात टाइटंस (GT) के खिलाफ मैच में वह सिर्फ 1 ही ओवर गेंदबाजी कर पाए थे। ऐसे में यह LSG के लिए बहुत बड़ा झटका है।

LSG ने क्या कहा?

LSG के CEO कर्नल विनोद बिष्ट ने कहा, रमयंक को पेट के निचले हिस्से में दर्द महसूस हो रहा है। इसी कारण हम अगले 2 मैच में उन्हें टीम का हिस्सा नहीं बनाएंगे। एहतियात के तौर पर हम उनका वर्कलोड मैनेज कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि वह जल्द से जल्द मैदान पर फिर खेलते हुए नजर आएंगे। LSG को अपना अगला मैच 12 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स (DC) के खिलाफ खेलना है।

IPL 2024 की सबसे तेज गेंद मयंक ने डाली

मयंक 2 मुकाबलों में 150 से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए नजर आए थे। उन्होंने IPL 2024 की सबसे तेज गेंद भी डाली थी। उनकी आग उगलती हुई गेंदों के सामने बल्लेबाज कुछ कर ही नहीं पा रहे थे। IPL के इतिहास में पहले 2 मैच में प्लेयर ऑफ द मैच बनने वाले मयंक एकमात्र खिलाड़ी हैं। सिर्फ 21 साल के मयंक घरेलू क्रिकेट में दिल्ली का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह मूलत: बिहार के सुपौल हैं।

RCB के खिलाफ की थी शानदार गेंदबाजी

मयंक ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के खिलाफ अपने आखिरी मुकाबले में 4 ओवर गेंदबाजी की थी और सिर्फ 14 रन खर्च किए थे।

उन्होंने 3 बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई थी। उनकी इकॉनमी रेट सिर्फ 3.50 की रही थी। मयंक ने रजत पाटीदार (29), ग्लेन मैक्सवेल (0) और कैमरून ग्रीन (9) को अपना शिकार बनाया था। मयंक ने 11 टी-20 मैचों में 14.26 की औसत और 6.48 की इकॉनमी से 15 विकेट चटकाए हैं।

डेब्यू मैच में मचाया था धमाल

मयंक ने अपना पहला मुकाबला पंजाब किंग्स (PBKS) के खिलाफ खेला था। मैच में PBKS ने बिना विकेट खोए 102 रन बना लिए थे। मयंक ने जॉनी बेयरस्टो(42) के रूप में पहला विकेट लिया। इसके बाद उन्होंने प्रभसिमरन सिंह (19) और जितेश शर्मा (6) को भी अपना शिकार बनाते हुए पवेलियन की राह दिखाई। उन्होंने पारी में अपने कोटे के 4 ओवरों में महज 6.80 की इकॉनकी से 27 रन खर्च करते हुए 3 बल्लेबाजों को पवेलियन लौटाया था।

तीन टेस्ट के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी इंग्लैंड टीम

लंदन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को ऐलान किया कि उनकी टीम 28 नवंबर से तीन टेस्ट के दौरे पर न्यूजीलैंड जायेगी। श्रृंखला का पहला मैच क्राइस्टचर्च में खेला जायेगा जबकि दूसरा मैच छह दिसंबर से वेलिंगटन और तीसरा 14 दिसंबर से हैमिल्टन में होगा। दोनों टीमों की टेस्ट श्रृंखला में टक्कर पिछले साल फरवरी मार्च में हुई थी और दो मैचों की श्रृंखला ड्रॉ रही थी। न्यूजीलैंड ने दूसरा टेस्ट एक रन से और इंग्लैंड ने पहला टेस्ट 267 रन से जीता था। ये तीनों टेस्ट विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा होंगे जिसमें न्यूजीलैंड ने पहले सत्र में आस्ट्रेलिया को हराया था। भारत इस बार नौ में से छह टेस्ट जीतकर डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर है जबकि आस्ट्रेलिया दूसरे और न्यूजीलैंड तीसरे स्थान पर है।

रिव्यू: मैदान

स्टार रेटिंग: 3.5

3.5

अजय देवगन ने मारा 'मैदान' जोश और इमोशन्स से भरी फिल्म

लोकेश चंद्रा

यरिव्यू शुरू करने से पहले बता दें कि ये चक दे इंडिया नही हैं लेकिन ये फिल्म देखी जानी चाहिए, फिल्म भारत को याद दिलाती है कि 64 सालों में हम फुटबॉल से उम्मीदें तोड़ चुके हैं, लेकिन कभी हम विश्व की टॉप टीमों में भी गिने जाते थे, आज भी ऐसा हो सकता है अगर कोई सैय्यद अब्दुल रहीम जैसा फुटबॉल के लिए जान देने वाला कोच मिल जाए तो। ये फिल्म 3 घंटे की है, इसका पहला हाफ थोड़ा स्लो है लेकिन फिर भी ये फिल्म देखी जानी चाहिए क्योंकि इसका सेकेंड हाफ आपको सीट से हिलने का मौका नहीं देता और सैय्यद अब्दुल रहीम की ये कहानी आपको काफी कुछ सिखा जाती है।

निर्देशक: अमित रवीन्द्र नाथ शर्मा
कलाकार: अजय देवगन, प्रियमणि, गजराज राव

'मैदान' की कहानी

ये कहानी है 1952 से 1962 के बीच इंडियन फुटबॉल टीम के कोच रहे सैय्यद अब्दुल रहीम की जिन्होंने अपनी जिंदगी फुटबॉल को दे दी, उनकी वजह से टीम इंडिया को ब्राजील ऑफ एशिया का खिताब मिला, टीम इंडियन ने एशियन गेम्स में गोल्ड जीता। कैसे वो कैंसर और फुटबॉल फेडरेशन की राजनीति से लड़कर टीम इंडिया के लिए कामयाबी की नई कहानी लिख गए, यही इस फिल्म में दिखाया गया है।

कैसी है फिल्म

फर्स्ट हाफ में फिल्म स्लो लगती है, कैसे जल्दी से टीम बन जाती है और सब कुछ हो जाता है, लगता है किरदारों को ठीक से पनपने नहीं दिया गया। 3 घंटे की फिल्म में 1 घंटे बाद ही इंटरवल हो जाता है और ये खटकता है लेकिन फिर जब सेकेंड हाफ शुरू होता है तो 2 घंटे के सेकेंड हाफ में आपको हिलने का मौका नहीं मिलता। टीम इंडिया के मैच के सीन थिएटर को स्टेडियम में बदल देते हैं। फिल्म के जरिए आप रहीम साहब की कहानी को अच्छे से समझते हैं। उस इंसान की जिद और जुनून से रूबरू होते हैं जिसने इंडियन फुटबॉल को सबसे ऊंचा मुकाम दिलाया। फिल्म में कमियां भी हैं, फर्स्ट हाफ तो कमजोर ही है, साथ ही आप खिलाड़ियों से कनेक्ट नहीं करते, उस तरह का इमोशन फील नहीं करते जैसा चक दे इंडिया में हुआ था। टीम के तौर पर तो आप कनेक्ट करते हैं। आखिर में जब टीम के असली खिलाड़ियों की और इन कलाकारों की तस्वीरें साथ में दिखती हैं तो आप कास्टिंग की तारीफ करते हैं लेकिन इमोशन कहीं ना कहीं कम लगता है। लेकिन कुल मिलाकर सेकेंड हाफ आपके अंदर टीम इंडिया के लिए जोश भर देता है।

एक्टिंग

पूरी फिल्म में अजय देवगन छाए हुए हैं, ये उनके बेहतरीन कामों में से एक है। अजय ने इस किरदार के साथ पूरा इंसाफ किया है। रहीम साहब के इमोशन्स को उन्होंने पर्दे पर शानदार तरीके से पेश किया है। टीम के सभी किरदारों का काम अच्छा है। खेल पत्रकार के किरदार में गजराज राव शानदार हैं। अजय की पत्नी के किरदार में प्रियामणि ला रोल भी काफी शानदार हैं।

डायरेक्शन

अमित शर्मा का डायरेक्शन अच्छा है, वो 'बधाई हो' जैसी कामयाब फिल्म बना चुके हैं। यहां वो फिल्म की लंबाई के मामले में चूके हैं, फिल्म छोटी हो सकती थी, थोड़े इमोशन और डाले जाने चाहिए थे लेकिन टीम इंडिया के मैच के सीन गजब तरीके से फिल्माए गए हैं, वो आपके अंदर जोश भर देते हैं।

म्यूजिक

ए और रहमान का म्यूजिक और मनोज मुंतशिर के बोल शानदार हैं, इस फिल्म से टीम इंडिया को अब नया एंथम भी मिलेगा। कुल मिलाकर ये कहानी जाननी जरूरी है और ये फिल्म देखी जानी चाहिए, ये एक साफ सुथरी फिल्म है जिसे पूरे परिवार के साथ आराम से देख सकते हैं।

'आम्रपाली' में नजर आएंगी अंकिता लोखंडे

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे को इन दिनों रणदीप हुड्डा की फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' में देखा जा रहा है। बेशक यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी, लेकिन फिल्म में अंकिता की अदाकारी को काफी पसंद किया जा रहा है। अब अंकिता ने अपनी पहली वेब सीरीज का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम 'आम्रपाली' है। इस सीरीज का निर्देशन संदीप सिंह कर रहे हैं। 'आम्रपाली' से अंकिता का पहला लुक सामने आ चुका है। यह सीरीज आम्रपाली पर आधारित है, जिसे वैशाली की नगर वधू बना दिया गया। इस सीरीज में आम्रपाली के शाही नगरवधू से बौद्ध नन बनने तक की यात्रा को पेश किया जाएगा। संदीप ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'आम्रपाली' के रूप में अंकिता लोखंडे का लुक। वह सीरीज 'आम्रपाली' में नगरवधू की कहानी को पेश करेगी। इसमें भावनाओं और चुनौतियों से भरी आम्रपाली की यात्रा दिखेगी।' इस सीरीज के जरिए संगीत सम्राट इस्माइल दरबार वापसी कर रहे हैं।

'हीरामंडी' का शानदार ट्रेलर हुई रिलीज

इस साल कई वेब सीरीज दर्शकों के बीच आने वाली है, लेकिन संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' को लेकर दर्शकों के बीच एक अलग ही उत्साह है और हो भी क्यों न, भंसाली इसके निर्माण और निर्देशन से जो जुड़े हैं। इससे जुड़ीं अब तक कई रोचक जानकारियां सामने आ चुकी हैं, वहीं सीरीज से सामने आई अभिनेत्रियों की झलक ने भी इसकी रिलीज को लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया है। 'हीरामंडी' का ट्रेलर देख तो ऐसा ही लग रहा है कि भंसाली लाहौर में बसे शाही मोहल्ले हीरामंडी में बसीं रानियां सरीखीं तवायफों की एक शानदार कहानी दर्शकों के बीच लेकर आने वाले हैं। तवायफों की दास्तां बेहद करीब से बयां करती इस सीरीज में मनीषा कोइराला से लेकर सोनाक्षी सिन्हा तक का अंदाज और अदाकारी देखने लायक है, वहीं उनके दमदार डायलॉग भी ध्यान खींच रहे हैं।

'हीरामंडी'के सेट से लेकर इसकी स्टार कास्ट भी काफी बड़ी है. इस सीरीज में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, अध्ययन सुमन, शेखर सुमन, फरदीन खान, संजीदा शेख और ताहा शाह बदुशा अपना जलवा बिखेरते नजर आएंगें। संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित ये सीरीज नेटफ्लिक्स पर 1 मई से स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है।

अंतरिक्ष से ऐसा दिखा पूर्ण सूर्य ग्रहण, NASA ने शेयर किया वीडियो

एजेंसी । मेक्सिको

मेक्सिको, अमेरिका और कनाडा के कुछ हिस्सों में सोमवार को दुर्लभ पूर्ण सूर्य ग्रहण देखने को मिला। इस दौरान लाखों की संख्या में लोगों ने इस अद्भुत नजारे को देखा। इतना ही नहीं अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर सूर्य ग्रहण की लाइव स्ट्रीम की। साथ ही अंतरिक्ष से सूर्य ग्रहण कैसा दिखता है, इसका वीडियो भी नासा ने जारी किया। लगभग एक सदी में पहली बार, न्यूयॉर्क राज्य के पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्रों में पूर्ण ग्रहण देखने को मिला है।

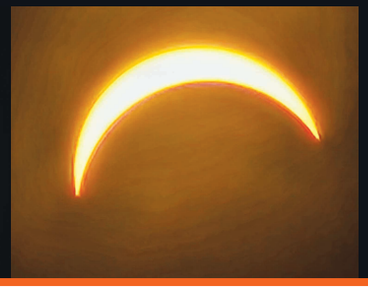

सूर्य ग्रहण 4 मिनट 28 सेकंड तक रहा

मेक्सिको के समुद्रतटीय शहर माजातलान उत्तरी अमेरिका का पहला स्थान बना, जहां पर सूर्य ग्रहण देखा गया। सूर्य ग्रहण को देखने के लिए हजारों लोग तटीय सैरगाह के किनारे एकत्र हुए। डेक कुर्सियों पर बैठकर लोगों ने चश्मा लगाकर इसे देखा। सूर्य ग्रहण 4 मिनट और 28 सेकंड तक रहा। यह 2017 में अमेरिका के कुछ हिस्सों में नजर आए सूर्य ग्रहण से अधिक समय तक रहा, जो 2 मिनट और 42 सेकंड तक देखा गया था।

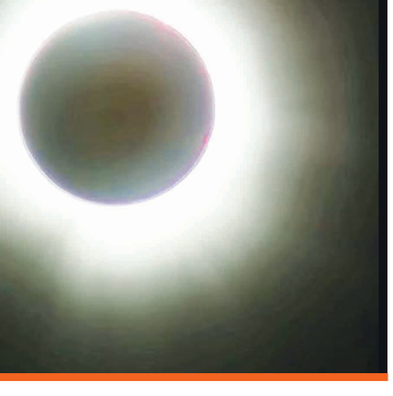

न्यूज़ ब्रीफ

बीआरएस ने इलेक्शन कमिशन से की राहुल गांधी की शिकायत

हैदराबाद (तेलंगाना)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है और आरोप लगाया है कि उन्होंने चुनाव नियमों का उल्लंघन किया है। चुनाव आयोग को सौंपे गए बीआरएस पत्र के अनुसार, राहुल गांधी ने अपनी हालिया यात्रा के दौरान चुनाव नियमों का उल्लंघन किया। पेस्टी ने कहा कि 6 मार्च को थुक्कुगुडा सार्वजनिक बैठक में उन्होंने बिना कोई सबूत दिए टेलीफोन टैपिंग मामले का ₹निराधार संदर्भ₹ दिया और उनके और उनकी पार्टी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पार्टी ने कहा, बीआरएस नेता कर्ण प्रभाकर और दासोजू श्रवण ने पार्टी की ओर से चुनाव आयोग से शिकायत की। बीआरएस ने चुनाव आयोग से राहुल गांधी के बयानों की त्वरित जांच करने का आह्वान किया और उनके दावों के सबूत की मांग की।

नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्रवाई

चेन्नई ईडी ने मंगलवार को डीएमके के पूर्व पदाधिकारी जाफर सादिक और अन्य के खिलाफ नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत तमिलनाडु के कई शहरों में छापा मारा है। ईडी के एक अधिकारी ने कहा कि पीएमएलए के प्रावधानों के तहत, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के साथ ईडी अधिकारी राज्य की राजधानी चेन्नई, मदुरै और तिरुचिरापल्ली में 25 परिसरों की तलाशी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सादिक, जो तमिल फिल्मों के निर्माता भी हैं, फिल्म निर्देशक अमीर और कुछ अन्य के परिसरों को कवर किया जा रहा है।

बंगाल में चुनाव ड्यूटी पर तैनात होंगी CAPF की 100 और कंपनियां

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जरूरी कार्रवाई कर रही है। चुनाव आयोग ने कल गृह मंत्रालय को पश्चिम बंगाल में केंद्रीय सशस्त्र अर्धसैनिक बलों की 100 और कंपनियां तैनात करने का निर्देश दिया है। चुनाव आयोग के निर्देश पर गृह मंत्रालय द्वारा सीआरपीएफ की 55 कंपनियां और सीमा सुरक्षा बलों की 45 कंपनियां तैनात की जा रही हैं। अधिकारियों को 15 अप्रैल या उससे पहले पश्चिम बंगाल में CAPF की अतिरिक्त 100 कंपनियों की तैनाती पूरी करने का निर्देश दिया गया है।

'अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी व रिमांड सही'

दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला, अर्जी खारिज

एजेंसी । नई दिल्ली

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट मंगलवार को फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की रिमांड व अरेस्ट को सही ठहराते हुए उनकी याचिका को खारिज कर दिया। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा दोपहर बाद अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि ईडी ने केजरीवाल के खिलाफ सबूत इकट्ठा कर बताया है कि उन्होंने साजिश रची थी और अपराध की आय के उपयोग और छिपाने में सक्रिय रूप से शामिल थे। ईडी ने बताया कि वह निजी तौर पर आम आदमी पार्टी के संयोजक के तौर पर भी शामिल थे। कथित शराब नीति केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को अरेस्ट किया था। इस गिरफ्तारी को केजरीवाल ने राजनीतिक साजिश करार देते हुए अपनी ईडी हिरासत को चुनौती दी थी। कोर्ट ने बीते दिनों उन्हें 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था और अब वह तिहाड़ जेल में हैं।

केजरीवाल ने उठाया था गिरफ्तारी के समय पर सवाल

3 अप्रैल को हाईकोर्ट की सुनवाई के दौरान दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी के समय पर सवाल उठाया था। मुख्यमंत्री ने कहा था कि उनकी गिरफ्तारी संविधान की मूल संरचना के खिलाफ है क्योंकि इससे आगामी लोकसभा चुनाव में समान अवसर मिलने में बाधा उत्पन्न होगी।

क्या कहा कोर्ट ने? दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि यह याचिका इस बात का फैसला करने के लिए है कि गिरफ्तारी अवैध है या नहीं। यह याचिका जमानत देने के लिए नहीं है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि राघव मुंगटा और शरथ रेड्डी के बयान पीएमएलए के तहत रिकॉर्ड किए गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सबूत इकट्ठा किए हैं कि वो साजिश में शामिल थे और पूरी तरह इन्वॉल्व थे। ईडी ने खुलासा किया कि केजरीवाल आम आदमी पार्टी के संयोजक के तौर पर भी इस मामले में शामिल थे। सरकारी गवाहों के बयान किस तरह रिकॉर्ड किए इस बात पर शक करना कोर्ट और जज पर कलंक लगाने जैसा है। दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि पीएमएलए कानून 100 साल पुराना कानून है। यह कोई एक साल पुराना कानून नहीं कि याचिकाकर्ता को फंसाने के लिए इसका गलत इस्तेमाल किया गया है। यह भी हम नहीं देखेंगे कि किसने किसको चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिया और किसने किसको इलेक्टोरल बॉन्ड दिया। उन्होंने कहा कि जांच किस तरह की जाए यह आरोपी नहीं तय करेगा। साथ ही कोर्ट ने केजरीवाल को विशेष सुविधा देने से इनकार करते हुए कहा कि किसी भी आदमी को चाहे वह मुख्यमंत्री क्यों ना हो, विशेष सुविधा नहीं दी जा सकती।

AAP विधायक अमानतुल्लाह खान को कोर्ट का समन

AAP विधायक अमानतुल्लाह खान को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने समन जारी किया है। कोर्ट ने उन्हें 20 अप्रैल को पेश होने का आदेश दिया है। वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ED के नोटिस पर पेश नहीं होने के कारण एजेंसी ने कोर्ट में शिकायत की थी। जिस पर यह नोटिस भेजा गया है।

अरुणाचल प्रदेश के निर्दलीय MLA को SC से मिली राहत

बरकरार रहेगी कारिखो की विधायकी

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 2019 में अरुणाचल प्रदेश के तेजू विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक कारिखो क्रि के चुनाव को बरकरार रखा है। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय की ईटानगर पीठ के 17 जुलाई, 2023 के फैसले को रद्द कर दिया। उच्च न्यायालय ने लोहित जिले के तेजू से क्रि के चुनाव को अमान्य घोषित कर दिया था। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ क्रि की अपील को स्वीकार किया था और कहा कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को उनके स्वामित्व वाली प्रत्येक चल संपत्ति या उनके हलफनामे का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है, जब तक कि वे पर्याप्त मूल्य के न हों या एक शानदार जीवन शैली को न दर्शाते हों।

कांग्रेस उम्मीदवार ने दी थी विधायकी को चुनौती

इस मामले में विस्तृत फैसले आना बाकी है। इससे पहले उच्च न्यायालय का फैसला तत्कालीन कांग्रेस उम्मीदवार नुनी तायांग द्वारा दायर एक चुनाव याचिका पर आया था, जिसमें 2019 विधानसभा चुनाव परिणाम की घोषणा को चुनौती दी गई थी। उच्च न्यायालय ने आगे कहा था कि कारिखो ने अपना नामांकन पत्र लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 33 के अनुसार जमा नहीं किया था और इसलिए, उनका नामांकन पत्र धारा 36 (2) (बी) के तहत खारिज किया जा सकता है। तायांग ने अधिनियम के तहत याचिका दायर की थी, जिसमें तेजू विधानसभा क्षेत्र से विधान सभा सदस्य के चुनाव को शून्य घोषित करने की मांग की गई थी। तायांग ने आरोप लगाया था कि क्रि ने अपने चुनाव नामांकन पत्र में यह खुलासा नहीं करके झूठी घोषणा की थी कि ईटानगर के 'ई' सेक्टर में स्थित एमएलए कॉटेज नंबर 1 नामक सरकारी आवास पर उनका कब्जा है। यह आरोप लगाया गया था कि क्रि ने सरकारी आवास के किराए, बिजली शुल्क, जल शुल्क और टेलीफोन शुल्क के लिए संबंधित विभाग से ₹नो ड्यूज सर्टिफिकेट₹ जमा नहीं किया था। चुनाव 11 अप्रैल, 2019 को हुआ और परिणाम 27 मई को घोषित हुआ था, जिसमें क्रि को एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में विजेता घोषित किया गया था।

'मोदी सरकार में एक इंच जमीन पर कब्जा नहीं कर सकता चीन'

गृह मंत्री अमित शाह का बड़ा बयान

एजेंसी । लखीमपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में चीन 'एक इंच' जमीन पर भी कब्जा नहीं कर सकता है। उन्होंने दावा किया कि जनता कभी नहीं भूल सकती कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 1962 में चीन के हमले के दौरान असम और अरुणाचल प्रदेश को 'बाय-बाय' कह दिया था। असम के लखीमपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार ने बांग्लादेश से लगती सीमा को सुरक्षित किया और घुसपैठ पर रोक लगाई। अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आपको 19 अप्रैल को तय करना होगा कि आपका सांसद कौन होगा, कौन सी पार्टी सरकार बनाएगी और अगला प्रधानमंत्री कौन होगा। आपके सामने दो विकल्प हैं एक तरफ राहुल गांधी के नेतृत्व में INDI गठबंधन है और दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा है। अमित शाह ने यहां राम मंदिर का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, 'मैं आपको बताना चाहता हूं कि आने वाले दिनों में असम देश के अन्य राज्यों की तरह एक विकसित राज्य बन जाएगा। कांग्रेस ने सालों तक राम मंदिर मुद्दे को लटकाए रखा। लेकिन पीएम मोदी के कार्यकाल में फैसला हुआ और भूमि पूजन के साथ 22 जनवरी को 'प्राणप्रतिष्ठा'भी हो गई।'

अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत

'फातिहा' के लिए गाजीपुर जाने की मिली परमिशन

नई दिल्ली। माफिया मुख्तार अंसारी की मौत के बाद उसके बेटे अब्बासी अंसारी के जेल से बाहर आने की खबरों पर लगा संशय अब खत्म हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्तार के बेटे अब्बास अंसारी को बड़ी राहत दी है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अब्बास अंसारी को फातिहा समारोह में भाग लेने की परमिशन दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अब्बास को वापस 13 अप्रैल तक कासगंज जेल में वापस लाया जाएगा। अब्बास अंसारी फिलहाल यूपी की कासगंज जेल में बंद है।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को Z सिक्योरिटी मिली

IB की रिपोर्ट के बाद केंद्र सरकार ने सुरक्षा बढ़ाई

22 सुरक्षाकर्मियों के घेरे में रहेंगे CEC

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) राजीव कुमार को केंद्र सरकार ने Z सिक्योरिटी दी है। इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) की खुफिया रिपोर्ट के बाद गृह मंत्रालय ने मंगलवार (9 अप्रैल) को उनकी सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए।
मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (CRPF) को 40-45 कर्मियों की टुकड़ी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। लोकसभा चुनाव के चलते संभावित खतरों को देखते हुए केंद्र सरकार ने राजीव कुमार की सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया है। CRPF के कमांडो हर वक्त राजीव की सुरक्षा में रहेंगे। राजीव कुमार ने 12 मई 2022 को भारत के 25वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पद संभाला था। सितंबर 2020 में उन्हें पोल बॉडी का इलेक्शन कमीशनर बनाया गया था। किसी CEC को केंद्रीय सुरक्षा कवर दिए जाने का यह पहला मामला है। पूर्व CEC दिवंगत टी एन शेषन को एक समय केंद्रीय सुरक्षा कवर प्राप्त था। CEC राजीव कुमार की सुरक्षा के लिए CRPF कमांडो सहित कुल 22 सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। इसमें NSG कमांडो और पुलिसकर्मी शामिल होंगे। राजीव कुमार के आवास पर आर्म्ड स्टैटिक गार्ड, चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान करने वाले निजी सुरक्षा अधिकारी (PSO) और तीन शिफ्टों में काम करने वाले सशस्त्र एस्कॉर्ट कमांडो शामिल रहेंगे। इसके अलावा हर वक्त राजीव कुमार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रति शिफ्ट में वॉचर और ट्रेंड ड्राइवर स्टैंडबाय पर रहेंगे। 1984 बैच के आईएएस अधिकारी रहे राजीव कुमार ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा की जगह ली थी। वे भारत सरकार में भी कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

सीबीडीटी को राजीव चंद्रशेखर के हलफनामे के जांच के आदेश

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

चुनाव आयोग ने मंगलवार को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को केंद्रीय मंत्री और भाजपा के तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट के उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर द्वारा दायर हलफनामे में अनियमितता की जांच करने के आदेश दिए हैं। कांग्रेस ने चंद्रशेखर द्वारा दायर हलफनामे में वास्तविक और घोषित संपत्ति में अनियमितता का दावा किया था और इसकी जांच के लिए पार्टी ने पोल पैनेल का रुख किया। बता दें कि चंद्रशेखर तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस उम्मीदवार शशि थरूर के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। प्रक्रिया के अनुसार, चुनाव आयोग ने चंद्रशेखर द्वारा दायर हलफनामे में अनियमितता की जांच के आदेश दिए हैं। आयोग ने बताया कि हलफनामे में किसी भी तरह के बेमेल और फर्जीवाड़े से लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 125 ए के तहत निपटा जाता है। नियम के अनुसार, नामांकन पत्र या हलफनामे में किसी भी जानकारी को छिपाने पर छह महीने तक की जेल या जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है।

चंद्रशेखर की संपत्ति का विवरण : भाजपा के नेता और केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने 28 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। नामांकन पत्र के साथ दायर हलफनामे में चंद्रशेखर ने चल संपत्ति का कुल मूल्य 13,69,18,637 रुपये बताया है, जबकि उनकी पत्नी के पास 12,47,00,408 रुपये की संपत्ति है। इसमें मौजूद नकदी, बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और सहकारी समितियों में जमा का विवरण, साथ ही बांड, डिबेंचर, शेयर, कंपनियों/म्यूचुअल फंड और अन्य वित्तीय इकाइयों में निवेश भी शामिल हैं। चल संपत्ति में 1942 मॉडल की 'रेड इंडियन स्काउट' भी शामिल है, जो कर्नाटक में पंजीकृत है। इसके साथ ही उनके पास आभूषण, सर्राफा और 3 .25 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अन्य मूल्यवान वस्तुएं भी हैं। चंद्रशेखर की अचल संपत्तियों में 5,26,42,640 रुपये की कीमत पर खरीदी गई स्व-अर्जित संपत्ति शामिल है, जिसका वर्तमान बाजार मूल्य 14,40,00,000 रुपये होगा। उन पर 19,41,92,894 रुपये की देनदारियां भी हैं, जिसे लेकर विवाद हैं। उनकी पत्नी पर 1,63,43,972 रुपये की देनदारी है जिसमें बैंकों, वित्तीय संस्थानों और अन्य से ऋण शामिल हैं। वर्ष 2022-23 के आयकर रिटर्न में चंद्रशेखर की कुल आय 5,59,200 रुपये बताई गई है जो 2021-22 में 680 रुपये थी।

दोपहर एंकर

12 महीने के औसत तापमान ने नए रिकॉर्ड को छुआ

मार्च 2024 अब तक का सबसे गर्म महीना

एजेंसी । नई दिल्ली

1991-2020 के मार्च महीने में 0 .73 डिग्री सेल्सियस की बढोत्तरी : साल 1991-2020 के मार्च महीने के दौरान औसत तापमान में 0 .73 डिग्री सेल्सियस की बढोत्तरी हुई। वहीं, मार्च 2016 में 0 .10 डिग्री सेल्सियस की बढोत्तरी हुई।

यूरोपीय संघ की जलवायु एजेंसी ने मंगलवार को कहा कि अल नीनो (El Nino) की स्थितियों और मानव जनित जलवायु परिवर्तन के संयुक्त प्रभाव की वजह से दुनिया में अब तक का सबसे गर्म मार्च महीना अनुभव किया गया है। इसकी वजह से यह पिछले साल जून के बाद से लगातार 10वां महीना है जब तापमान ने नया रिकॉर्ड बनाया है। कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (C3S) ने कहा कि साल 1850-1900 के मार्च महीने औसत तापमान 14.14 डिग्री सेल्सियस था, जो 1850-1900 के महीने के औसत तापमान से 1.68 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था।

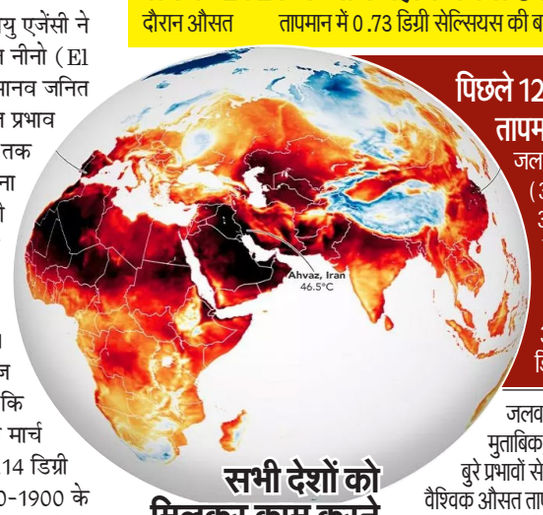

पिछले 12 महीनों में वैश्विक औसत तापमान सबसे अधिक दर्ज

जलवायु एजेंसी ने कहा, पिछले 12 महीनों (अप्रैल 2023-मार्च 2024) में वैश्विक औसत तापमान सबसे अधिक दर्ज किया गया है, जो साल 1991-2020 के औसत से 0 .70 डिग्री सेल्सियस अधिक और 1850-1900 पूर्व-औद्योगिक औसत तापमान से 1.58 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

वैश्विक औसत तापमान अपनी सीमा को पार कर गया

कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस ने कहा कि वैश्विक औसत तापमान जनवरी में पहली बार पूरे साल के लिए 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार कर गया। हालांकि, पेरिस समझौते में बताए गए 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा का स्थायी उल्लंघन कई सालों से हो रहा है, जो ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ने का कारण है।

सभी देशों को मिलकर काम करने की जरूरत- वैज्ञानिक

जलवायु परिवर्तन वैज्ञानिकों के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों से बचने के लिए सभी देशों को वैश्विक औसत तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक काल से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की जरूरत है। बता दें कि वैश्विक औसत तापमान में बढोत्तरी का कारण वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों में मुख्य रूप से कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन की तेजी से बढ़ना है। वहीं, मार्च 2024 में हवा के तापमान और समुद्र की सतह के तापमान दोनों में जलवायु रिकॉर्ड में गिरावट का क्रम जारी है। यह लगातार 10वां रिकॉर्ड तोड़ने वाला महीना है।

कार्बन डा